डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-58 | मथुरा, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आधी रात्रि में बदमाशों ने बरपाया कहर

छत से घुसे बदमाश परिवार को बंधक बनाकर लूटे लाखों रूपये

घटना स्थल पर पहुंचकर जानकारी करते एसएसपी श्लोक कुमार, साथ में हैं एसपीआरए सुरेशचंद रावत व सीओ मांट संदीप कुमार। घर की वो चारपाइयां जहां बदमाशों ने परिवार को बांधा था।

बदमाशों की सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत

बदमाशों ने परिवार को चारपाई से बांधा, शोर मचाने पर गोली मारने का भय दिखाया

सीसीटीवी की फुटेज निकालने में जुटी पुलिस

बदमाशों की गिरफ्तारी को लगीं पुलिस की पांच टीमें

यूनिक समय, सुरीर। टेंटीगाँव स्थित नगला हरिया रोड पर गुरुवार की मध्य रात्रि में बदमाशों ने एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। हथियारों से लैस करीब आधा दर्जन बदमाशों ने पूरे परिवार को बंधक बनाकर चारपाइयों से बांध दिया। बदमाश लाखों की नकदी और कीमती सामान लूट कर भाग गए।

नगला हरिया रोड पर अजय अग्रवाल की दूध, पेप्सी, परचून और नमकीन की एजेंसी है। मध्य रात्रि के बाद आधा दर्जन के करीब हथियारों से लैस बदमाश घर के पीछे से छत पर चढ़कर आँगन में जाल से नीचे उतरे। इसके बाद उन्होंने झीने के दरवाजे को खोलकर घर के अंदर प्रवेश किया। बदमाशों के प्रवेश के समय परिवार के सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे। घर में सो रहे अजय अग्रवाल, उनके पिता, पत्नी और बेटी को बदमाशों ने बंधक बना लिया। बदमाशों ने करीब रात 12:30 बजे से 2:45 बजे तक मारपीट करने के बाद सभी को चारपाई से बांध दिया और तमंचा से गोली मारने का भय दिखा कर आवाज तक नहीं बदमाशों की गिरफ्तारी को लगीं पुलिस की पांच टीमें निकालने की धमकी दी। इसके बाद बदमाश घर में रखे लगभग तीन लाख 22 हजार रुपये नकद, लाखों रुपये के जेवरात, दो मोबाइल फोन और सीसीटीवी कैमरे की डीवीडी भी अपने साथ ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने जिस रास्ते से घर में प्रवेश किया था उसी से निकल कर भाग गए। बदमाशों के चले जाने के बाद किसी तरह डॉयल 112 को लूट की सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। देर रात्रि में हुई डकैती की सूचना मिलते ही सीओ मांट संदीप कुमार सिंह व एसओ सुरीर और मांट सर्किल के थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने रात्रि में ही लुटेरों को काफी तलाश किया, लेकिन पुलिस को बदमाशों का कुछ पता नहीं लग सका। लूट की वारदात का पता लगने पर इलाके के लोग दहशत में हैं। इस सनसनी खेज वारदात का पता लगने पर एसएसपी श्लोक कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और बदमाशों को पकड़ने के सख्त निर्देश दिए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपीआरए ने बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की पांच टीमों का गठन किया है। इसके साथ ही घटना स्थल के आस–पास के सीसीट टीवी केमरों की फुटेज तलाशी जा रही है। एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने बताया कि अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की पांच टीमों को लगाया गया है। इसके साथ ही इलाके के सीसीटीवी केमरों की फुटेज निकाली जा रही है जिससे बदमाशों के बारे में जानकारी हो सके।

घटना के विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद

यूनिक समय, सुरीर। व्यापारी के परिवार के साथ बीती रात हुई इस सनसनी खेज वारदात का पता लगने पर व्यापारियों में रोष फैल गया। व्यापारियों ने विरोध में बाजार बंद कर दिया। व्यापारी परिवार के साथ हुई इस दुस्साहसिक वारदात से पूरे इलाके के लोग दहशत में हैं। व्यापारियों में लूट की वारदात को लेकर भारी अक्रोश है। घटना के विरोध में व्यापारियों ने बाजार को बंद कर दिया। एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने मौके पर पहुंचकर व्यापारियों को घटना में शामिल बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद व्यापारियों ने बाजार को खोल दिया।

एसपीआरए के आश्वासन पर बाद में खुला बाजार

फॉरसिंक और डॉगस्क्वाड टीम नहीं लगा सकीं बदमाशों का सुराग

यूनिक समय, सुरीर। बदमाशों का सुराग लगाने के लिए पुलिस अधिकारियों ने फॉरसिंक टीम और डॉग स्क्वायड को भी घटना स्थल पर बुलाकर बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाने के प्रयास किए।

घटना स्थल पर पहुंची फॉरसिंक टीम ने वहां पर बदमाशों के बारे में जानकारी करने के लिए कई स्थानों से नमूने लिए। इसके साथ ही मौके पर पहुंचे डॉग स्क्वायड ने भी वहां जांच की। फिलहाल बदमाशों के बारे में पुलिस को कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस की टीमें बदमाशों की तलाश में जुटी हैं।

यूपी में स्मार्ट मीटर पर बड़ी राहत

एक किलोवाट वाले उपभोक्ताओं की एक माह तक नहीं कटेगी बिजली

दो किलोवाट वालों को भी राहत, 200 रुपये तक माइनस पर नहीं कटेगी बिजली

नेगेटिव बैलेंस पर भी सुविधा जारी, एसएमएस अलर्ट सिस्टम होगा लागू

छुट्टियों के दिन भी नहीं कटेगी बिजली, हाई लेवल कमेटी करेगी जांच

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर चल रहे विवाद के बीच उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार ने नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत कम लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को विशेष सुरक्षा दी गई है। अब एक किलोवाट लोड तक के उपभोक्ताओं का कनेक्शन बैलेंस नेगेटिव होने पर भी एक महीने तक नहीं काटा जाएगा। वहीं दो किलोवाट लोड वाले उपभोक्ताओं को भी राहत दी गई है, यदि उनका बैलेंस 200 रुपये तक माइनस में है तब भी बिजली सप्लाई जारी रहेगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले मोबाइल पर पांच बार अलर्ट भेजे जाएंगे। इनमें बैलेंस 30% रहने पर पहला, 10% पर दूसरा, बैलेंस खत्म होने पर तीसरा, कटने से एक दिन पहले चौथा और कटने के बाद अंतिम सूचना शामिल होगी। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को समय पर जानकारी देकर उन्हें परेशानी से बचाना है।

नई व्यवस्था के अनुसार रविवार या सरकारी छुट्टियों के दिन भी बिजली नहीं काटी जाएगी। साथ ही जहां नए स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, वहां 15 दिन का कन्वर्जन पीरियड और उसके बाद 30 दिन तक कनेक्शन कटौती पर रोक रहेगी। सरकार ने स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता जांच के लिए आईआईटी कानपुर सहित विशेषज्ञों की एक हाई लेवल कमेटी भी गठित की है, जो 10 दिनों में रिपोर्ट सौंपेगी। इस कदम को उपभोक्ता हितों में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

व्यापारी का दिनदहाड़े कार सवारों ने किया अपहरण का प्रयास

दुकान से बुलाकर कार में खींच 50 हजार लूटे

घटना से इलाके में फैली सनसनी

यूनिक समय, मगोर्रा। मगोर्रा क्षेत्र स्थित बाजार में दिनदहाड़े एक खाद बीज विक्रेता को सफेद रंग की कार में सवार बदमाश अगवा कर ले गए। बदमाशों ने उसके सिर पर तमंचा तानकर 50 हजार रुपये छीन लिए। किसी तरह दुकानदार ने कार से निकल कर अपनी जान बचाई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। व्यापारी नेताओं ने बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग की है।

गांव आजल निवासी गौरव कुमार की सौंख क्षेत्र में खाद–बीज की दुकान है। शुक्रवार की दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपनी दुकान पर ग्राहकों को सामान दे रहे थे। इसी एक सफेद रंग की कार दुकान के सामने आकर रुकी। कार में सवार लोगों ने गौरव को आवाज देकर बुलाया। दुकानदार के मना करने पर भी बदमाश उसे जबरन कार के पास ले गए। कार के पास पहुंचते ही अंदर बैठे बदमाशों ने उन्हें अंदर खींच लिया। बदमाशों ने उनके सिर पर तमंचा लगा कर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उनकी जेब में रखे करीब 15 हजार रुपये और पैंट की जेब में रखे 35 हजार रुपये लूट लिए। इस दौरान कार में छीना झपटी होने पर कुछ रुपये गिर भी गए। मौका पाकर पीड़ित कार से उतरकर जान बचाने में कामयाब हो गया। घटना के बाद दुकानदार ने शोर मचाया, लेकिन तब तक बदमाश कार से गोवर्धन की ओर भाग गए। वहां मौजूद लोगों ने कार का नंबर नोट कर लिया। पीड़ित ने तत्काल डॉयल 112 और पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। दिनदहाड़े दुकानदार के साथ हुई घटना से इलाके में दहशत फैली हुई है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने आरोपियों के खिलाफ अपहरण और लूट का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है।

आमदनी बढ़ी | फ्रूटी और पैकेज्ड ड्रिंक्स की बिक्री बढ़ी

वृंदावन में बंदरों के शौक से चलती है अर्थव्यवस्था

व्यापारियों के लिए कमाई का जरिया बनी बंदरों की मौजूदगी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में बंदरों की मौजूदगी अब सिर्फ परेशानी नहीं बल्कि कई व्यापारियों के लिए कमाई का जरिया बन चुकी है। पिछले दो दशकों से बंदरों की समस्या पर लगातार चर्चा होती रही है, लेकिन इसका एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इनसे अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ गया है।

श्रद्धालुओं में बंदरों के डर के कारण सबसे ज्यादा बिक्री फ्रूटी और पैकेज्ड ड्रिंक्स की बढ़ी है। लोग हाथ में फ्रूटी या बोतल लेकर चलते हैं ताकि बंदर उनसे दूर रहें। इससे लोकल दुकानदारों से लेकर बड़ी कंपनियों तक को फायदा हो रहा है। बंदरों के उत्पात से बचने के लिए घरों की छतों पर लोहे के जाल लगाए जाते हैं, जिससे लोहा उद्योग में तेजी आई है। वहीं, छतों से कपड़े उठाने की उनकी आदत ने कपड़ा और रेडीमेड सेक्टर को भी बढ़ावा दिया है, क्योंकि लोग नए कपड़े खरीदने को मजबूर हो जाते हैं। फलों और खासकर केले की बिक्री में भी भारी उछाल आया है, क्योंकि श्रद्धालु बंदरों को खिलाकर पुण्य कमाने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही चने, चश्मा और फुटवियर की बिक्री भी लगातार बढ़ रही है, क्योंकि ये बंदरों के पसंदीदा लक्ष्य बन जाते हैं। स्थानीय स्तर पर एक नया अनोखा रोजगार भी उभरा है, जिसे लोग बंदर निगोशिएटर कहते हैं, जो छत पर ले जाए गए सामान को वापस लाने में मदद करते हैं। इसके अलावा बंदर काटने के मामलों ने हेल्थकेयर सेक्टर को भी अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचाया है, जहां एंटी–रेबीज इंजेक्शन और इलाज की मांग बढ़ी है।

वहीं टेंट और सजावट व्यवसाय भी बंदरों के कारण नुकसान और फिर नए ऑर्डर के चक्र में चलता रहता है। कुल मिलाकर, जहां एक ओर बंदर परेशानी का कारण हैं, वहीं दूसरी ओर वे वृंदावन की लोकल अर्थव्यवस्था के अनजाने स्टेकहोल्डर भी बन चुके हैं, जो कई कारोबारों को लगातार गति दे रहे हैं।

संसद–विधानसभा सत्र में थमेगी बैठकों की रफ्तार

जिला और मंडल समितियों पर लगा ब्रेक

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ। लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधान मंडल के सत्र के दौरान अब जिला और मंडल स्तर पर गठित समितियों की बैठकें आयोजित नहीं की जाएंगी। यह व्यवस्था मथुरा समेत पूरे प्रदेश में लागू कर दी गई है, जिससे जनप्रतिनिधियों की उपलब्धता और भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

मथुरा में विकास, निगरानी और विभिन्न योजनाओं से जुड़ी कई समितियां सक्रिय हैं। इनमें सांसद और विधायक सदस्य के रूप में शामिल रहते हैं। आमतौर पर इन बैठकों में स्थानीय समस्याओं, योजनाओं की प्रगति और नई कार्ययोजनाओं पर चर्चा होती है, लेकिन सत्र के दौरान जनप्रतिनिधि संसद और विधानसभा की बैठक में व्यस्त रहते हैं, जिससे इन बैठकों में उनकी उपस्थिति प्रभावित होती है।

नई व्यवस्था के तहत सत्र अवधि में ऐसी किसी भी समिति की बैठक नहीं होगी, जिसमें जनप्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल हों। हालांकि, अगर किसी मुद्दे पर बैठक करना बेहद

प्रदेशभर में लागू व्यवस्था जरूरी हालात में ही मिलेगी बैठक की अनुमति

जरूरी हो तो उसे केवल उसी स्थिति में आयोजित किया जा सकेगा जब सत्र लगातार तीन दिन के लिए स्थगित हो।

30 अप्रैल से प्रस्तावित विधानसभा सत्र को देखते हुए प्रमुख सचिव जेपी सिंह ने आगरा मंडलायुक्त एवं मथुरा जिला अधिकारी सीपी सिंह को निर्देश दिए हैं। कई विभागों ने अपनी प्रस्तावित बैठकों को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जब भी बैठक हो, उसमें जनप्रतिनिधियों की प्रभावी भागीदारी मिल सके और निर्णय बेहतर तरीके से लिए जा सकें। सत्र समाप्त होने के बाद समितियों की बैठकें फिर से सामान्य रूप से शुरू होने की उम्मीद है।

मथुरा में अब सवालों के जवाब में नहीं होगी ढिलाई

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। विधानसभा सत्र से पहले मथुरा में प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। अब विधायकों द्वारा पूछे जाने वाले सवालों के जवाब समय से और पूरी सटीकता के साथ देने पर जोर दिया गया है। इसके लिए जिला स्तर पर खास सतर्कता बरतने के निर्देश जारी हुए हैं, ताकि सत्र के दौरान किसी तरह की चूक न हो।

मथुरा जिले में हर साल विधानसभा सत्र के दौरान विकास कार्यों, योजनाओं और स्थानीय समस्याओं से जुड़े कई सवाल उठते हैं। पहले कई बार देखा गया कि जवाब देने में देरी हुई या जानकारी अधूरी रही, जिससे स्थिति असहज बनी। इसी अनुभव को देखते हुए इस बार पहले से तैयारी करने पर जोर दिया गया है। शासन द्वारा मंडलायुक्त एवं जिला अधिकारी को दिए गए निर्देशों के अनुसार, अब हर

विधायकों के सवालों पर समय से और सटीक जवाब देने के निर्देश

डीएम स्तर से होगी निगरानी

सवाल का जवाब पूरी जांच के बाद ही तैयार किया जाएगा और उसमें किसी तरह की अस्पष्टता नहीं रहेगी। खास बात यह है कि जवाब जिला अधिकारी के स्तर से सत्यापित होकर ही आगे भेजे जाएंगे, जिससे उनकी विश्वसनीयता बनी रहे। 30 अप्रैल से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र को देखते हुए यह तैयारी अहम मानी जा रही है। इससे न केवल जवाब देने की प्रक्रिया बेहतर होगी, बल्कि जनप्रतिनिधियों के सवालों का संतोषजनक समाधान भी सुनिश्चित हो सकेगा।

तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,53,100
22 कैरेट 1,40,350
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,65,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

हत्या के प्रयास में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे अभियुक्त सुनील निवासी गांव बघई कटेलिया को नौहझील –गोमत मार्ग पर मनवीर के होटल के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं।

बलवा करने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। बरसाना थाना पुलिस ने बलवा करने के मामले में अभियुक्त राजू उर्फ राजेश और उसके भाई सुभाष निवासी रहेड़ा थाना बरसाना को आगरा केनाल से गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्तों के खिलाफ हत्या का प्रयास और बलवा करने का मामला दर्ज है।

आरोपी गिरफ्तार, पौनिया बरामद

यूनिक समय मथुरा। बल्देव थाना पुलिस ने अभियुक्त वीरेश निवासी गढ़ी आशा अकोस को बम्बा से गोशाला को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पोनिया तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

हाईकोर्ट ने दी बीएसए कॉलेज प्रबंध समिति के अधिकारों को मान्यता

अग्रवाल शिक्षामंडल के पदाधिकारियों ने जाहिर की खुशी

यूनिक समय, मथुरा। बाबू शिवनाथ अग्रवाल डिग्री कालेज मथुरा की प्रबंध समिति को उच्च न्यायालय प्रयागराज द्वारा पूर्ण प्रशासनिक व प्रबंधकीय अधिकारों की मान्यता प्रदान करते हुए एकल संचालन व्यवस्था को निरस्त कर दिया।

आज इस मामले में अग्रवाल शिक्षामंडल रजिस्टर्ड द्वारा इस बारे में जानकारी दी गई। बाबू शिवनाथ अग्रवाल डिग्री कालेज की प्रबंध समिति के मंत्री धीरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि उच्च न्यायालय प्रयागराज ने अपने आदेश में 22 अप्रैल 2026 को क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी आगरा व उच्च शिक्षा निदेशक प्रयागराज द्वारा जारी किए गए, निर्देश 11 मार्च 2022 एवं 8 फरवरी 2022 के माध्यम से प्राचार्य को प्राप्त एकल संचालन व्यवस्था को निरस्त करते हुए अनुमोदित प्रबंध समिति को समस्त प्रबंधकी व प्रशासनिक अधिकारों की मान्यता प्रदान करते हुए दैनिक कार्यकलापों को शिष्पादित करने के

प्रेसवार्ता को संबोधित करते बीएसए इंजीनियरिंग कालेज के चेयरमैन उमाशंकर अग्रवाल एडवोकेट, साथ में बैठे हैं अग्रवाल शिक्षा मंडल के पदाधिकारी।

अधिकार प्रदान किए हैं। इसके साथ ही विपक्षी पक्ष द्वारा पूर्व प्रबंध समितियों के खिलाफ चल रहीं जांचों और शिकायतों का भी संज्ञान लेते हुए न्यायालय द्वारा यह भी कहा गया है कि यह समस्त जांच जो भी जल रही हैं उनमें अभी तक किसी भी प्रकार का निर्णय प्रबंध समिति के खिलाफ नहीं किया गया है। अतः इन आरोपों का प्रबंध समिति के महाविद्यालय के संचालन अधिकारों पर किसी भी प्रकार का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अग्रवाल शिक्षामंडल के मंत्री किशोर कुमार अग्रवाल ने इस निर्णय को सत्य की जीत बताते हुए निर्णय को पांच माह से कालेज की प्रबंध समिति को कार्य करने से रोकने के लिए प्राचार्य और उनकी षड्यंत्रकारी टीम को झटका बताया है। प्रेस वार्ता में बीएसए इंजीनियरिंग कालेज के चेयरमैन उमाशंकर अग्रवाल एडवोकेट, अध्यक्ष बीएस कालेज सुभाषचंद सिक्का वाले, अशुल अग्रवाल, चौधरी दीनानाथ अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, किशोर कुमार अग्रवाल, प्रदीप कुमार गर्ग, ओमप्रकाश मित्तल, महेशचंद गर्ग लोहे वाले उपस्थित थे।

दूसरी ओर इस मामले में बीएसए डिग्री कालेज के प्राचार्य ललित मोहन शर्मा ने उच्च न्यायालय प्रयागराज के निर्णय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि न्यायालय ने प्रबंध समिति को महा विद्यालय के वित्तीय खातों के संचालन की अनुमति प्रदान नहीं की है। जिसके लिए सशर्त अनुमोदित प्रबंध समिति काफी समय से प्रयासरत थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि सशर्त अनुमोदित प्रबंध समिति के विरुद्ध गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। न्यायालय ने यह भी कहा है कि प्रतिवादीगण जिसमें राज्य सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय प्रशासन शामिल है कानून द्वारा अनुमत किसी भी कार्रवाई के लिए हमेशा स्वतंत्र हैं। न्यायालय ने अपने आदेश में कहीं भी कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए है। अतः वित्तीय मालमों में अंतिम निर्णय विश्वविद्यालय के अधीन ही रहेगा।

आप में बड़ा सियासी झटका, राघव चड्ढा भाजपा में शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख नेता राघव चड्ढा ने पार्टी छोड़ने का ऐलान करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी अब अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है और निजी हितों की ओर बढ़ रही है। राघव चड्ढा ने कहा कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों में पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया है, लेकिन अब वे जनता के बीच जाकर काम करना चाहते हैं। इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि आप के कई सांसद उनके साथ हैं और वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

इस घटनाक्रम में संदीप पाठक, अशोक मित्तल सहित कई अन्य नाम भी सामने आए हैं। वहीं आप के सांसद संजय सिंह ने भी बयान देते हुए कहा कि पार्टी के कुछ सांसद अलग हो रहे हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

इस पूरे घटनाक्रम को खासकर पंजाब और अन्य राज्यों में पार्टी की स्थिति को लेकर अरविंद केजरीवाल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि, इस घटनाक्रम को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत पुष्टि का इंतजार है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है।

नकेल — यूपी में मिलावटी तेल पर सरकार की सख्ती

14 फर्मों के तेल कारोबार पर लगी रोक

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य तेलों में मिलावट और मानकों के उल्लंघन पर सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए 14 फर्मों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों को अब तेल बनाने, बेचने, भंडारण और वितरण करने की अनुमति नहीं होगी। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के निर्देश पर की गई है।

दरअसल, 23 फरवरी को प्रदेशभर में चलाए गए विशेष अभियान के तहत 58 टीमों ने 64 खाद्य तेल इकाइयों की जांच की थी। इनमें से 56 इकाइयों से 206 नमूने लिए गए, जिन्हें अधिकृत

प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए भेजा गया। जांच रिपोर्ट में कई नमूने असुरक्षित और अधोमानक पाए गए। कुछ उत्पादों में लेड की मात्रा अधिक मिली, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। वहीं कई कंपनियां बिना अनुमति विभिन्न तेलों का मिश्रण कर रही थीं और फोर्टिफाइड तेलों में

खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्ती, 206 नमूनों में गड़बड़ी

लेड और मिलावट से भरे तेल पर कार्रवाई तेज

लखनऊ से गोरखपुर तक फैला मिलावट का बड़ा नेटवर्क

आवश्यक विटामिन भी मानक से कम पाए गए। जिन फर्मों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें हिंद वेज ऑइल प्राइवेट लिमिटेड (लखनऊ), संकट मोचन एंटरप्राइसेस (लखनऊ), भीम श्री प्रोडक्ट एनआर उद्योग (कानपुर), कटारिया एडिबल्स (कानपुर), वैभव एडिबल्स (कानपुर देहात), मंटोरा ऑयल प्रोडक्शन प्रालि (कानपुर देहात), आगरा ऑयल जनरल इंडस्ट्री लि. (हाथरस), एनएम ऑयल कॉरपोरेशन (आगरा), जीएस एग्रो फूड्स (मेरठ), जेपी एग्रो ऑयल (मेरठ), राजेंद्र कुमार सुशील चंद (मेरठ), केप्टल वेजिटेबल ऑयल प्रोडक्ट प्रालि (हापुड़) और जय लक्ष्मी सोलवेंट्स प्रालि (गोरखपुर) शामिल हैं।

नगर पंचायत ने कीटनाशक का कराया छिड़काव

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए नगर पंचायत ने कस्बा में फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल तथा अधिशाषी अधिकारी शिवकुमार ने भीषण गर्मी के दौरान मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए फॉगिंग मशीन से रेतिया बाजार, रामलीला मैदान, रेलवे रोड आदि स्थानों पर कीटनाशक दवा का छिड़काव कराकर सफाई कर्मचारियों को साफ सफाई के दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सभासद सरवन अहमद सफाई नायक जीतू आदि कर्मचारी मौजूद थे।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

दो दिन और सताएगी लू, चार दिन बाद मौसम देगा राहत

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/फरह। शुक्रवार को मौसम साफ रहने से गर्मी का असर और बढ़ गया। सूरज के तल्ख तेवरों से अधिकतम तापमान में वृद्धि हो गई। दिनभर गर्म बयार ने नागरिकों को परेशान किया। शनिवार को अधिकतम तापमान में वृद्धि के साथ गर्म बयार और परेशान करेगी। ऐसे गर्म मौसम के बाद मौसम विभाग ने राहत का संकेत दिया है। रविवार से चार दिन तक आसमान में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी की संभावना जताई है।

गर्मी इस बार रिकार्ड बना रही हैं। अप्रैल महीने में ही अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा है। शुक्रवार को इसमें एक डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 43 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। अब शनिवार को अधिकतम तापमान के 44 डिग्री सेल्सियस के पास पहुंचने के आसार हैं। ऐसे में सुबह से शाम तक गरम बाजार नागरिकों को सताएगी। गर्म बयार से बचने के लिए नागरिकों को सावधानी बरतनी होगी।

वहीं मौसम विभाग ने ऐसे मौसम के बीच राहत का पूर्वानुमान जारी किया है।

शुक्रवार दोपहर गर्मी की वजह से सूना पड़ा कस्बा से रेलवे फाटक की ओर जाने वाला मार्ग।

पशुओं का रखें ध्यान

तापमान में बढ़ोतरी होने के साथी जानवरों के व्यवहार में अंतर आ जाता है। सेवानिवृत्ति मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीके शर्मा का कहना है कि गर्मी की वजह से पशु चिड़चिड़े हो जाते हैं। बेसहारा जानवर तो और ज्यादा परेशान रहते हैं। ऐसे में पालतू जानवरों को दिन में कई बार पानी पिलाएं। सुबह–शाम नहलाएं और छांव में बांधकर रखें।

शनिवार को भी लू चलने की संभावना

चार दिन छाए रहेंगे बादल, हो सकती है हल्की बूंदाबांदी

28 अप्रैल तक के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान में मौसम में बदलाव आने की संभावना जताई गई है।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार को आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होगी, जबकि अगले दिन भी आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होगी।

28 अप्रैल को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, जबकि 29 अप्रैल को आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होगी।

बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौके पर हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। शादी समारोह से बाइक से लौटते एक युवक को थाना राया क्षेत्र में किसी तेज रफ्तार वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

थाना राया के गांव खिरारी निवासी युवक अभिषेक (22) की पिता पप्पू की मौत के बाद मृतक आश्रित को कोटे में गांधी इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नौकरी मिली थी। पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी अभिषेक के कंधों पर थी। बताया गया अभिषेक बीती रात एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद रात को अपनी बाइक से रात्रि में घर लौट रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में अभिषेक की मौके पर मौत हो गई।

परिवार में मचा रहा कोहराम

अभिषेक की मौत का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नीली साड़ी में मथुरा की युवती का सोशल मीडिया पर डांस वायरल

इंस्टाग्राम पर 3.8 मिलियन व्यूज पार

सोशल मीडिया पर छाई "डांसिंग स्टार"

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा की पूजा ठाकुर ने एक शादी समारोह में नीली साड़ी पहनकर ऐसा शानदार डांस किया कि सोशल मीडिया पर वह रातोंरात वायरल हो गईं। डीजे पर "तेरा रंग बल्ले–बल्ले" गाने पर उनका जोश और एनर्जी लोगों को खूब पसंद आई। वीडियो में वह चप्पल उतारकर पूरी मस्ती के साथ नाचती नजर आती हैं, जिससे शादी का माहौल और भी रंगीन हो गया।

यह वीडियो पूजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पूजा ठाकुर...7599 पर पोस्ट किया था, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। अब तक वीडियो को 3.8 मिलियन से ज्यादा व्यूज, 80 हजार से अधिक लाइक्स, 14 हजार से ज्यादा शेयर और हजारों कमेंट मिल चुके हैं। पूजा ठाकुर के इंस्टाग्राम प्रोफाइल के अनुसार वह मथुरा की रहने वाली हैं। उनकी प्रोफाइल पर शादी और फैमिली फंक्शन से जुड़े कई डांस वीडियो पहले से मौजूद हैं, लेकिन यह वीडियो सबसे ज्यादा वायरल हुआ है।

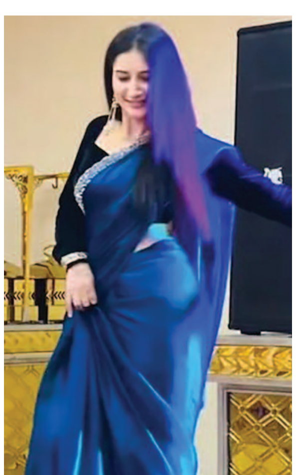

लोग उनके आत्मविश्वास, डांस स्टाइल और एक्सप्रेशन की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स उन्हें "डांसिंग स्टार" कह रहे हैं और उनका यह वीडियो लगातार ट्रेंड कर रहा है।

समस्याओं को लेकर असिस्टेंट ड्रग कमिश्नर से मिले फार्मासिस्ट

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार के नेतृत्व में असिस्टेंट ड्रग कमिश्नर आगरा अतुल उपाध्याय से मिला। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने उन्हें अवगत कराया कि मंडल में फिर से नारकोटिक्स नशीली दवाओं का कारोबार फल फूल रहा है, औषधि विभाग आंखें मूंदे बैठा है, कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। आगरा मंडल में फार्मासिस्टों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, वहीं औषधि विभाग द्वारा बेवजह परेशान किये जाने पर भी चर्चा हुई। असिस्टेंट ड्रग कमिश्नर ने कहा कि किसी भी फार्मासिस्ट को बेवजह परेशान नहीं किया जायेगा अगर संज्ञान में आता है तो अवश्य कार्यवाई की जायेगी। नारकोटिक्स नशीली दवाओं को पकड़ने के लिए टीमें गठित की जाएंगी।

प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार ने बताया कि मथुरा में जो औषधि विभाग अपनी मनमानी कर रहा है वह नहीं चलेगी, आने बाले समय में औषधि विभाग के खिलाफ उचित कार्रवाई कराने का कार्य अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन करेगा। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव विष्णु यादव, ललित शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, ठाकुर सिंह, मोहित, संतोष, करन आदि फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

पंचायती राज संस्थाएं हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव

पंचायती राज दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के साथ कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर कांग्रेस के सेठबाड़ा स्थित कार्यालय पर गोष्ठी आयोजित की गई। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि आजादी के पहले महात्मा गांधी और हमारे कई महान क्रांतिकारियों का सपना था कि आजाद भारत में जनता सर्वोपरि हो। सत्ता की चाबी हमारे गांवों और वहां बसने वाले आम लोगों के हाथ में हो। इसी सपने को साकार करने के लिए आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू ने पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत की। महात्मा गांधी और विनोबा भावे के "ग्राम स्वराज" के विचारों से प्रेरित होकर राजीव गांधी के प्रयासों से कांग्रेस ने 73वां संविधान संशोधन कर संवैधानिक दर्जा दिया, जिसे 24 अप्रैल 1993 को पूरे देश में लागू किया, जिससे पंचायती राज को संस्थागत मजबूती मिली। डॉ. मनमोहन सिंह ने वर्ष 2010 में इस दिन को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' के रूप में घोषित किया। कांग्रेस के जिला महामंत्री वैद्य मनोज गौड़ ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं। संचालन अप्रतिम सक्सेना ने किया। गोष्ठी में महानगर के पूर्व अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि, कामरेड शिवदत्त चतुर्वेदी, आदित्य तिवारी, बलवीर प्रधान, संदीप चौधरी, राजा गौतम, खुशीराम पटेल, पंकज चौधरी एवं विपुल पाठक आदि उपस्थित थे।

हर ब्लॉक में एग्रीजंक्शन: मथुरा में 10 'वन स्टॉप फार्म सेंटर' से खेती में आएगा बड़ा बदलाव

किसानों को मिलेंगी एक ही जगह पर सभी सुविधाएं

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले की खेती अब पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक और संगठित मॉडल की ओर बढ़ने जा रही है। एग्रीजंक्शन योजना के तहत मथुरा के 10 विकास खंडों में 'वन स्टॉप फार्म सेंटर' स्थापित किए

युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का मजबूत प्लेटफॉर्म

जाएंगे, जहां किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्र और तकनीकी सलाह एक ही स्थान पर मिलेगी। इससे किसानों को अलग-अलग जगह भटकने की जरूरत खत्म होगी और खेती की प्रक्रिया आसान बनेगी।

इन केंद्रों की खासियत यह होगी कि यहां प्रशिक्षित कृषि उद्यमी तैनात रहेंगे, जो मृदा परीक्षण के आधार पर सही उर्वरक उपयोग, आधुनिक तकनीक और फसल प्रबंधन की सलाह देंगे। साथ ही छोटे कृषि यंत्र किराये पर उपलब्ध होंगे और खेती से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी भी दी जाएगी। इससे लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत चयनित कृषि स्नातकों को 13 दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें खेती के साथ-साथ मार्केटिंग और प्रबंधन की भी जानकारी दी जाएगी। इसके बाद यही युवा अपने-अपने केंद्र संचालित करेंगे। मथुरा में इस योजना के लिए चरणबद्ध टाइम लाइन तय की गई है- जून तक प्रचार, जुलाई-अगस्त में चयन और प्रशिक्षण, जबकि अक्टूबर तक सभी केंद्र शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। पूरी प्रक्रिया की निगरानी जिला स्तरीय समिति करेगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और काम समय पर पूरा हो सके। प्रदेश स्तर पर इस वर्ष 827 एग्रीजंक्शन केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें मथुरा भी शामिल है। इससे साफ है कि योजना को बड़े स्तर पर लागू किया जा रहा है। कुल मिलाकर, एग्रीजंक्शन मथुरा में खेती और रोजगार दोनों के लिए नया मॉडल बन सकता है। जहां एक ओर किसानों को बेहतर सुविधा और सही सलाह मिलेगी, वहीं दूसरी ओर युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार का अवसर मिलेगा। सरकार की एग्रीजंक्शन योजना के तहत किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को कृषि सेवाएं शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। एक केंद्र की कुल अनुमानित लागत 77,900 रुपये रखी गई है। इसमें 3.5 लाख रुपये के ऋण पर 42,000 रुपये तक ब्याज अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा एक वर्ष के लिए 24,000 रुपये तक किराया सहायता, 5,250 रुपये लाइसेंस शुल्क की प्रतिपूर्ति और 13 दिनों के प्रशिक्षण सहित अन्य खर्चों के लिए 6,650 रुपये की सहायता शामिल है।

योजना में किराया व लाइसेंस पर राहत

एग्रीजंक्शन योजना के तहत केंद्र संचालकों को 12 माह तक दुकान किराया सहायता दी जाएगी, जो अधिकतम 2000 रुपये प्रति माह (50 प्रतिशत तक) होगी। इसके अलावा लाइसेंस शुल्क में भी राहत प्रदान की गई है। बीज लाइसेंस के लिए 1000 रुपये प्रति केंद्र, उर्वरक लाइसेंस सामान्य क्षेत्र में 1250 रुपये और विशेष क्षेत्र में 625 रुपये निर्धारित हैं। कीटनाशक लाइसेंस शहरी क्षेत्र में 7500 रुपये तथा ग्रामीण क्षेत्र में 1500 रुपये प्रति केंद्र रखा गया है। इस व्यवस्था से ग्रामीण उद्यमियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

कार्यालय नगर पंचायत बरसाना, जनपद मथुरा।

पत्रांकः- 02/न.प.ब./2026-27 — दिनांक 23 अप्रैल, 2026

निविदा की प्रेस सूचना

राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त धनराशि में से वेतन वितरण उपरान्त प्राप्त अवशेष धनराशि से नगर पंचायत बरसाना के द्वारा पंजीकृत निविदा दाताओं से मैन्यूवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर राशि 10 प्रतिशत (रू0)	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
01	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अन्तर्गत आजनौख व चिकसौली व मानपुर में विद्यालयों पर अवशेष भाग का कार्य।	941808	95000	942 + 170 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-1112	30 दिवस
02	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अन्तर्गत संकेत व गाजीपुर में विद्यालयों पर अवशेष भाग का कार्य।	596750	60000	597 + 107 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-704	30 दिवस
03	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अंतर्गत चिकसौली कल्याण मण्डप में मिट्टी भराव कार्य।	998000	100000	1000 + 180 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-1180	30 दिवस
04	मथुरा	वार्ड न 06 ढबाला में स्थित कमल के मकान से लेकर मैन रोड तक नाली व इंटरलॉकिंग द्वारा मरम्मत का कार्य।	409844	41000	410 + 74 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-484	30 दिवस
05	मथुरा	नगर पंचायत सीमान्तर्गत के अंतर्गत करहला में पुरन के मकान से हरीबाबू तक इंटरलॉकिंग टाइल की मरम्मत का कार्य।	220327	23000	221 + 40 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-261	30 दिवस
06	मथुरा	नगर पंचायत सीमान्तर्गत के अंतर्गत अखाड़े पर स्टील रेलिंग का कार्य।	978926	98000	980 + 176 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-1156	30 दिवस
07	मथुरा	नगर पंचायत सीमान्तर्गत के अंतर्गत चिकसौली तिराहे पर शौचालय के सामने यात्री शैड का निर्माण कार्य।	766040	77000	767 + 138 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-905	30 दिवस
08	मथुरा	नगर पंचायत सीमान्तर्गत के अंतर्गत चिकसौली में भोले मंदिर वाली गली में इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य।	280690	29000	281 + 51 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-332	30 दिवस
09	मथुरा	नगर पंचायत सीमान्तर्गत के अंतर्गत रूपनगर में बच्चू के मकान से प्राइमरी स्कूल के पीछे तक सी सी रोड़ व नाली निर्माण कार्य।	695573	70000	696 + 125 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-821	30 दिवस
10	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना कार्यालय में स्टेज व फर्श व नाली रिपेयर का कार्य।	362430	37000	363 + 65 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-428	30 दिवस
11	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अंतर्गत तिलकविहार में कुआँ की मरम्मत का कार्य।	166462	17000	167 + 30 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-197	30 दिवस
12	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अंतर्गत रूपनगर में कुआँ की मरम्मत का कार्य।	297831	30000	298 + 54 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-352	30 दिवस
13	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना वार्ड न0 16 मंदिर छोटी सीढ़ी के सामने सम आगे तक सीमेंट कॉन्कीट डैंन का कार्य।	441295	45000	442 + 80 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-522	30 दिवस
14	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना के अन्तर्गत चिकसौली तिराहे पर शौचालय के सामने यात्रियों के बैठने हेतु रैड सैण्ड स्टोन का कार्य।	897900	90000	899 + 162 जी0एस0टी0 18 प्रतिशत योग-1061	30 दिवस

टैण्डर कमेटी सदस्य
लिपिक
नगर पंचायत बरसाना, मथुरा।

टैण्डर कमेटी सदस्य
अवर अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग मथुरा

टैण्डर कमेटी सदस्य
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरसाना, मथुरा।

अध्यक्ष
नगर पंचायत बरसाना, मथुरा।

राया में नहीं रुक रहा अवैध मिट्टी खनन का खेल

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का खेल रुक नहीं रहा है। खनन माफिया इस कार्य को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं। गुरुवार की रात्रि खनन की सूचना पर प्रशासन हरकत में आया। रात करीब 10 बजे सूचना प्राप्त हुई कि मांट रोड पर गंगा नगला के पास मिट्टी से भरे डंपर संचालित हो रहे हैं।

सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे। टीम को

अवैध मिट्टी से भरा डंपर पकड़ा

देखकर चालक डंपर छोड़कर भाग गया। अधिकारियों ने मौके से एक डंपर को कब्जे में लेकर राया कट पर खड़ा कराया तथा आगे की कार्रवाई के लिए वाहन को थाना पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है।

गोकुल में 10 मई को निकलेगी भगवान परशुराम की शोभायात्रा

यूनिक समय, गोकुल (मथुरा)। गोकुल ब्राह्मण तीर्थ पुरोहित समिति के तत्वावधान में भगवान परशुराम की शोभायात्रा 10 मई को निकाली जाएगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस अवसर पर परशुराम मंदिर का लोकार्पण व परशुरामजी के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस आशय की बैठक नन्द चौक स्थित गुजरात भवन पर हुई, जिसमें रूपरेखा प्रस्तुत कर व्यवस्थाएं सौंपी गई। समिति के अध्यक्ष जय महाराज ने बताया कि 10 मई को शाम चार बजे परशुराम मंदिर बालकृष्ण बगीची पर विप्रजन सम्मान व संगोष्ठी होगी। शाम छह बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। पूर्व दिवस पर मंदिर का लोकार्पण व परशुराम विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंत्री जगमोहन गौड़ ने बताया कि ब्रजमंडल से विप्रो को आमंत्रित करने

परशुराम मन्दिर का लोकार्पण व परशुराम विग्रह की होगी प्राण प्रतिष्ठा

के लिए तीन टीम बनाई गई हैं। कोषाध्यक्ष पं. पवन सरदार ने बताया कि शोभायात्रा डेढ़ दर्जन से अधिक कलात्मक झाकियां, काली अखाड़ों, मथुरा आगरा के बैंड, नफीरी आदि शामिल होंगी। समिति के संरक्षण मंडल सदस्य व धर्म सलाहकार पंडित अमित भारद्धाज कि इस बार की शोभायात्रा अभूतपूर्व होगी। बैठक में उपाध्यक्ष लव जोशी, हरिओम शर्मा, अमरनाथ शर्मा, उपमंत्री सुखदेव शर्मा, उप कोषाध्यक्ष पंकज शर्मा, ऑडिटर अरविंद शर्मा, मीडिया प्रभारी संकेत सरदार, संयोजक द्वय अमित शर्मा कुआं वाले, अनुभव तैलंग आदि उपस्थित थे।

मथुरा में निरंकारी भक्तों ने किया रक्तदान

यूनिक समय, मथुरा। अंजाने लोगों से खून का रिश्ता जोड़ने के लिए वह अलग-अलग शहरों से आए मथुरा और पहुंच गए हाईवे नवादा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर आयोजित रक्तदान शिविर में, जहां उन्होंने विपरीत मौसम तपती गर्मी की परवाह किए बगैर मानवहित में स्वेच्छा से रक्तदान कर परोपकार की भावना को उजागर किया।

मथुरा में लगाए रक्तदान शिविर की व्यवस्था देखते पदाधिकारी।

निरंकारी मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि रक्तदान शिविर में मथुरा जोन के अलीगढ़, सादाबाद, हाथरस, फरह, नंदगांव, कोसीकलां के साथ ही भीलवाड़ा, भरतपुर, रेवाड़ी, आगरा आदि स्थानों से आए 137 निरंकारी सेवादार भक्तों ने नामांकन कराया, जबकि 96 भक्तों ही रक्त लिया जा सका। शिविर का उद्घाटन रेवाड़ी से आए निरंकारी प्रचारक संत डॉ. कमल सिंह तथा मथुरा के जोनल इंचार्ज एचके अरोड़ा ने किया।

निरंकारी सेवादल के क्षेत्रीय संचालक अजय यादव, सेवादल संचालक अशोक दयालु और शिक्षक योगेश कुमार के साथ सभी सेवादल के सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे रहे, वहीं रक्तदान में भी आगे रहे। शिविर में महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक की डॉ. गीता सिंह के नेतृत्व में परामर्शदाता सुशीला शर्मा सहित 10 सदस्यीय स्टाफ टीम मौजूद थी। 96 यूनिट रक्त संकलित की गई। शिविर में युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह बाबा हरदेव सिंह ने रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं का संदेश देकर सेवा को जीवन का अनिवार्य अंग बनाया, जिसे सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज निरंतर आगे बढ़ा रही हैं।

ब्रजवासियों को केडी हॉस्पिटल लगातार दे रहा निःशुल्क चिकित्सा लाभ

शिविर में दो सौ से अधिक मरीजों की हुई लिवर फाइब्रोस्कैन जांच

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के मेडिसिन विभाग द्वारा शुक्रवार को लगाए गए निःशुल्क लिवर फाइब्रोस्कैन जांच शिविर में दो सौ से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। विशेषज्ञ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेर और उनके सहयोगियों की देखरेख में टेक्नीशियन ने फाइब्रोस्कैन के माध्यम से मरीजों का लिवर फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल, हेपेटाइटिस बी और सी वायरस परीक्षण आदि किए।

मरीजों को परामर्श देते गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेर।

मरीज का लिवर फाइब्रोस्कैन परीक्षण करता टेक्नीशियन।

निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेर ने मरीजों को नैदानिक और आहार परामर्श भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लिवर की बीमारी आम है। सही खान–पान और समय से जांच और उपचार से समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर में मरीजों के फैटी लिवर, अल्कोहलिक लीवर, फाइब्रोसिस, सिरोसिस और हेपेटाइटिस बी और सी की जांचें की गईं। शिविर में हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा मरीजों को एक्स–रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और मरीजों को परामर्श देते गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. मोहम्मद जुबेरअल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा भी प्रदान की गई।

डॉ. जुबेर ने बताया कि लिवर की लगातार समस्या के कारण मरीज का लिवर फाइब्रोसिस और सिरोसिस ठीक से काम नहीं करता तथा उससे मरीज की जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि क्रोनिक यकृत रोग का सबसे आम कारण एनएएफएलडी (गैर–अल्कोहल फैटी लिवर रोग) है, जो एक जीवनशैली से सम्बन्धित बीमारी है, जो अनुचित आहार, व्यायाम की कमी, पेट के आसपास वसा की प्रवृत्ति तथा रक्त में लिपिड और शर्करा सम्बन्धी समस्याओं के कारण होती है, जो लगभग एक तिहाई भारतीय आबादी में पाई जाती है।

डॉ. जुबेर ने बताया कि लिवर की परेशानी के अन्य कारणों में शराब और हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण हैं। उन्होंने कहा कि फैटी लिवर की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए तथा मरीज समय से लिवर फंक्शन टेस्ट कराकर अन्य परेशानियों से बच सकता है। डॉ. जुबेर ने कहा कि जब तक रोगियों में पीलिया, जलोदर, मस्तिष्क विकृति और रक्तस्राव जैसे लक्षण विकसित होते हैं, तब तक यकृत रोग गम्भीर हो चुका होता है।

डॉ. जुबेर ने बताया कि लिवर फाइब्रोस्कैन एक दर्द रहित, नॉन–इनवेसिव (बिना चीर–फाड़) और तेज परीक्षण है, जो लिवर की कठोरता और फैटी लिवर का सटीक परीक्षण करता है। यह पारम्परिक बायोप्सी का एक सुरक्षित विकल्प है, जो लिवर सिरोसिस, सूजन और डैमेज का शुरुआती चरणों में पता लगाकर तुरंत उपचार में मदद करता है।

मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पांडेय ने कहा कि केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को सही परीक्षण और उपचार मिले। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केडी हॉस्पिटल द्वारा लगातार निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से ब्रज क्षेत्र के लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। लीवर फाइब्रोस्कैन जांच शिविर की सफलता में डॉ. हर्षवर्धन, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, टेक्नीशियन सचिन उपाध्याय, अंकुश यादव, सौरभ शर्मा, हीरा गोस्वामी आदि का अहम योगदान रहा।

पंचायत दिवस पर जिले की 495 पंचायतों में कार्यक्रम

उत्कृष्ट पंचायतों का किया सम्मान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर जिले की 495 ग्राम पंचायतों में लोकतंत्र और विकास को मजबूत करने के लिए व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत आज जिले की सभी त्रिस्तरीय पंचायतों जिला, क्षेत्र और ग्राम स्तर पर विशेष ग्राम सभाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में स्थानीय विकास योजनाओं, स्वच्छता, जल संरक्षण, महिला नेतृत्व और पंचायत सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पंचायत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अधिकारी।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया गया, जहां ग्रामीणों की भागीदारी के साथ विकास कार्यों की समीक्षा और आगामी योजनाओं पर सुझाव लिए गए। निर्देशों के अनुसार, बेहतर कार्य करने वाली पंचायतों को सम्मानित करने की भी व्यवस्था की गई, जिससे प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता को बढ़ावा मिल सके।

डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्राम सभाओं और बैठकों के कार्यवृत्त को भारत सरकार के एप्लिकेशन सभासार और ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने पर जोर दिया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही

डिजिटल ग्राम सभाओं और क्रियान्वयन से ही बदलेगा गांव का मॉडल

सुनिश्चित हो सके। जिले में सड़क, पेयजल, शौचालय, खेल मैदान और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। प्रशासन का फोकस सभी पंचायतों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी और आत्मनिर्भर बनाने पर है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर मथुरा के गांवों के लिए केवल आयोजन नहीं, बल्कि "विकसित भारत" के संकल्प को जमीन पर उतारने का अवसर बनकर सामने आया है।

विद्युत समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

कैंट बिजलीघर पर एक अधिकारी को ज्ञापन देते व्यापारी।

यूनिक समय, मथुरा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के आह्वान पर जिलाध्यक्ष अभिषेक कुमार पिंटू भईया के नेतृत्व में आम जनता व व्यापारियों को प्रीपेड मीटर से हो रही परेशानी व असुविधा को लेकर मथुरा कैंट बिजलीघर पर अधिकारियों को दस सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।

जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों को अवगत कराया कि प्रीपेड मीटरों से आम जनमानस त्रस्त है। कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। साथ ही शहर में हो रही बिजली कटौती व घण्टों बिजली ना आने के कारण आमजनमानस व व्यापारियों को हो रही परेशानी की ओर ध्यान आकर्षित किया गया व तत्काल बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए कहा गया। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने व्यापार मंडल के नेताओं को आश्वस्त किया कि सभी मांगों पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया जाएगा और समस्याओं का अविलम्ब निराकरण किया जाएगा। साथ ही तय हुआ कि व्यापार मंडल कैम्प लगायेगा जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारी व प्रीपेड मीटर लगाने वाले कर्मचारी शामिल होंगे। आम जनमानस व व्यापारियों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करेंगे।

ज्ञापन देने वालों में जिला महामंत्री बबलू सैनी, नगर अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद लोधी, नगर महामंत्री सतीश पटेल, नगर कोषाध्यक्ष देवेंद्र निषाद, संजू सैनी, राजू वर्मा, मनोज पंडित, सौरभ ठाकुर एवं उदित गोयल आदि उपस्थित थे।

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रुति से स्मृति चिह्न भेंट करते वृंदावन के व्यापारी नेता आलोक बंसल, अंकित वार्ष्णेय तथा लक्ष्मीनारायण दीक्षित।

वृंदावन के व्यापारी विद्युत समस्या को लेकर एमडी से मिले

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष आलोक बंसल की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक श्रुति से आगरा में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने भीषण गर्मी से पूर्व ही बिगड़ती विधुत आपूर्ति के बारे में अवगत कराया। विशेष रूप से वृन्दावन के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्यायों पर भी चर्चा की। इस अवसर पर युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अंकित वार्ष्णेय, महामंत्री लक्ष्मी नारायण दीक्षित तथा महामंत्री आशीष ठाकुर आदि उपस्थित थे।

गोवर्धन में हरिजन बस्ती के 31 लाख रुपये से सुधरेंगे हालात

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा में गत 15 वर्षों से नरकीय हालात का सामना कर रहे हरिजन बस्ती के नागरिकों की समस्या का समाधान शुक्रवार से शुरू हो गया। हारिजन बस्ती में सड़क व नाला निर्माण, गंदे पानी की निकासी के किए स्टोरेज टैंक निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर पंचायत चेयरमैन प्रभा देवी शर्मा ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के सामने पूजा अर्चना के साथ किया।

हरिजन बस्ती में सड़क, नाली निर्माण का नारियल फोड़ कर शिलान्यास करते महंत रविंद्र गिरि। साथ हैं चेयरमैन, सभासद व स्थानीय नागरिक।

बता दे कि कस्बा के बरसाना रोड स्थित हरिजन मोहल्ला में विगत 15 वर्षों से नालियों से गंदे पानी की समुचित निकासी न हो पाने के कारण जलभराव व गंदगी बनी रहती थी। नगर पंचायत चेयरमैन प्रभा देवी शर्मा ने हारिजन बस्ती में नाला निर्माण सहित आरसीसी सड़क निर्माण व नाले के पानी को एकत्रित करने के किए स्टोरेज टैंक निर्माण कार्य का पूजा अर्चना उपरांत नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। अब जल्द ही गंदगी का सामना कर रहे हारिज बस्ती के लोगों की समस्या का समाधान होने की उम्मीद जाग गई है। पूजा उपरांत हरिजन बगीची के महंत रविंद्र गिरि ने चेयरमैन प्रभा देवी शर्मा सभासदों की उपस्थिति नारियल फोड़ कर कार्य का शुभारंभ किया। चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष

चेयरमैन ने सड़क और पानी निकासी को टैंक निर्माण का किया शिलान्यास

लंबरदार ने बताया कि 21 लाख रुपये की लगात से होने वाले कामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभासद सुंद्रे गुप्ता बिरजो, सभासद महावीर सिंह, सभासद गजेंद्र अग्रवाल, सभासद राजू बाल्मीकि, दिलीप मेट, छीतर सिंह मेट, प्रीतम बाल्मीकि, बन्नो बाल्मीकि, गप्पा बाल्मीकि, भोला बाल्मीकि, लक्ष्मण बाल्मीकि, राधाकृष्ण, भोला बाल्मीकि, अशोक , राहुल, लिपिक मोहन श्याम अग्रवाल तथा नानक चंद शर्मा आदि उपस्थित थे।

घर पर ब्लड प्रेशर जांच के सही तरीके डॉक्टर ने बताए आसान स्टेप्स

यूनिक समय, मथुरा। ब्लड प्रेशर आज के समय में सबसे आम लेकिन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुका है। बदलती जीवनशैली, तनाव, गलत खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण उच्च रक्तचाप के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में घर पर ही ब्लड प्रेशर की नियमित जांच करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

डॉ. अनिल चौहान ने बताया कि घर पर बीपी जांचने के लिए कुछ जरूरी नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि रीडिंग सही और विश्वसनीय आए। सबसे पहले, ब्लड प्रेशर मापने से पहले व्यक्ति को कम से कम 10 से 15 मिनट तक शांत अवस्था में बैठना चाहिए। इस दौरान शरीर पूरी तरह रिलैक्स होना चाहिए और किसी प्रकार की शारीरिक गतिविधि नहीं करनी चाहिए। बीपी चेक करने से पहले चाय, कॉफी, शराब या धूम्रपान से बचना चाहिए, क्योंकि ये सभी चीजें रक्तचाप को अस्थायी रूप से प्रभावित कर सकती हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि जांच से पहले मूत्राशय खाली होना चाहिए, क्योंकि भरा हुआ मूत्राशय भी रीडिंग को प्रभावित कर सकता है।

ब्लड प्रेशर मापने के लिए हमेशा सही कफ का उपयोग करना चाहिए। बाजू (आर्म) कफ को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि यह कलाई वाले उपकरणों की तुलना में अधिक सटीक परिणाम देता है। कफ को कोहनी से लगभग 1-2 उंगल ऊपर बांह पर लगाया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि कफ न बहुत ढीला हो और न बहुत टाइट। जांच के दौरान व्यक्ति को सीधा बैठना चाहिए और पैरों को जमीन पर सपाट रखना चाहिए। हाथ को टेबल पर दिल के स्तर (हार्ट लेवल) पर रखना आवश्यक है। हाथ को स्थिर रखना चाहिए और मुट्ठी नहीं बांधनी चाहिए, क्योंकि इससे रीडिंग प्रभावित हो सकती है। मशीन ऑन करने के बाद पूरी प्रक्रिया के दौरान शांत रहना जरूरी है। बेहतर परिणाम के लिए ब्लड प्रेशर को दो बार मापकर उसका औसत निकालना चाहिए। इससे अधिक सटीक जानकारी मिलती है। जहां तक जांच की आवृत्ति की बात है, सामान्य व्यक्ति को साल में एक या दो बार बीपी जांच करवाना पर्याप्त होता है। लेकिन जिन लोगों को पहले से उच्च रक्तचाप की समस्या है, उन्हें घर पर नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए। ऐसे मरीजों के लिए सुबह और शाम दिन में कम से कम दो बार बीपी जांचना उचित माना जाता है। डॉक्टर अक्सर सलाह देते हैं कि 7 से 10 दिनों तक लगातार रीडिंग लेकर उसका औसत निकाला जाए, जिससे वास्तविक स्थिति का सही आकलन हो सके। नियमित निगरानी, सही तकनीक और सावधानियों के पालन से ब्लड प्रेशर को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

दिल्ली के सस्ते बाजारों में मिल रहीं ट्रेंडी कुर्तियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही कपड़ों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। चिलचिलाती धूप और उमस भरे मौसम में हर कोई ऐसे कपड़े पहनना चाहता है जो हल्के, आरामदायक और स्टाइलिश हों। खासतौर पर महिलाओं और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के बीच स्लीवलेस कॉटन कुर्तियों का क्रेज तेजी से बढ़ जाता है। अगर आप भी कम बजट में अपनी वॉर्डरोब को अपडेट करना चाहती हैं तो दिल्ली के कुछ मशहूर बाजार आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं, जहां महज 200 रुपये में ट्रेंडी कुर्तियां आसानी से मिल जाती हैं।

दिल्ली का सरोजिनी नगर मार्केट इस मामले में सबसे आगे माना जाता है। यह बाजार "बार्गेनिंग हब" के नाम से भी जाना जाता है, जहां आपको एक्सपोर्ट सरप्लस कपड़े बेहद कम कीमत पर मिल जाते हैं। गर्मियों के सीजन में यहां स्लीवलेस कॉटन कुर्तियों की भरमार होती है, जिनकी कीमत 150 से 200 रुपये के बीच होती है। सही मोलभाव करने पर और भी अच्छे दाम मिल सकते हैं। इसके अलावा कनॉट प्लेस के पास स्थित जनपथ मार्केट भी सस्ते और स्टाइलिश कपड़ों के लिए मशहूर है। यहां एथनिक और बोहो स्टाइल की कुर्तियां काफी पसंद की जाती हैं। खासकर इकत और ब्लॉक प्रिंट वाली स्लीवलेस कुर्तियां यहां 200 रुपये से शुरू हो जाती हैं, जो गर्मियों के लिए परफेक्ट होती हैं। लाजपत नगर के पास स्थित अमर कॉलोनी मार्केट भी

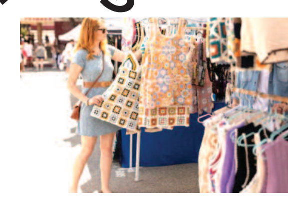

बजट शॉपिंग के लिए जाना जाता है। यहां होलसेल रेट पर कुर्तियां मिलती हैं, जिसकी वजह से कीमतें काफी कम रहती हैं। यहां आपको 125 से 180 रुपये तक में स्लीवलेस कुर्तियां मिल सकती हैं। यह मार्केट खासतौर पर कॉलेज स्टूडेंट्स के बीच काफी लोकप्रिय है। उत्तर दिल्ली का कमला नगर मार्केट भी युवाओं का पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन है। यहां के स्टॉल्स और छोटी दुकानों पर 200 रुपये की शुरुआती कीमत में मॉडर्न और फंकी डिजाइनों वाली कुर्तियां मिलती हैं। अगर आप कुछ अलग और ट्रेंडी तलाश रही हैं, तो यह बाजार अच्छा विकल्प हो सकता है।

इसके अलावा करोल बाग का पटरी बाजार भी सस्ते कपड़ों के लिए जाना जाता है। यहां सामान्य दिनों के साथ-साथ खास सेल के दौरान 150 से 200 रुपये में अच्छी क्वालिटी की कॉटन कुर्तियां मिल जाती हैं। कुल मिलाकर, दिल्ली के ये बाजार उन लोगों के लिए किसी खजाने से कम नहीं हैं जो कम बजट में स्टाइलिश और आरामदायक कपड़े खरीदना चाहते हैं। थोड़ा समय और मोलभाव की कला के साथ आप यहां शानदार डील्स पा सकती हैं और अपनी समर वॉर्डरोब को किफायती तरीके से अपडेट कर सकती हैं।

मोदी के झालमुड़ी खाने से बढ़ी लोगों की दिलचस्पी

सस्ता, चटपटा और हर दिल अजीज स्ट्रीट फूड

यूनिक समय, नई दिल्ली। जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी का स्वाद लिया, तो अचानक यह साधारण सा नाश्ता चर्चा का केंद्र बन गया। लेकिन झालमुड़ी सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि बंगाल की संस्कृति, स्वाद और सादगी का प्रतीक है।

झालमुड़ी दरअसल मुरमुरे (फुले हुए चावल) से बनने वाला एक हल्का और झटपट तैयार होने वाला नाश्ता है। इसमें सरसों का तेल, कटी प्याज, हरी मिर्च, नमक, चाट मसाला, मूंगफली, सेव और कभी-कभी टमाटर या धनिया मिलाया जाता है। इसकी सबसे खास बात इसका तीखा और चटपटा स्वाद है, जो इसे बाकी स्नैक्स से अलग बनाता है।

इसके नाम का मतलब भी उतना ही दिलचस्प है। बंगाली भाषा में "झाल" का अर्थ होता है तीखा या मसालेदार, जबकि "मुरी" का मतलब है मुरमुरे। यानी "झालमुड़ी" का सीधा अर्थ हुआ – मसालेदार मुरमुरे। नाम और स्वाद, दोनों एकदम सटीक बैठते हैं।

बंगाल, खासकर कोलकत्ता की गलियों में यह नाश्ता हर मोड़ पर मिल जाएगा। वहां के स्ट्रीट वेंडर्स इसे बड़े ही खास अंदाज में बनाते हैं-एक टिन या स्टील के बर्तन में सभी सामग्री डालकर उसे तेजी से मिलाते हैं और फिर कागज के कोन में परोसते हैं। यह दृश्य खुद में एक अनुभव होता है।

इतिहास की बात करें तो माना जाता है कि मुरमुरे भारत में सदियों से खाए जाते रहे हैं, लेकिन इन्हें मसालों और सरसों के तेल के साथ मिलाकर एक खास स्ट्रीट फूड का रूप देने का श्रेय बंगाल को जाता है। औपनिवेशिक काल में यह और लोकप्रिय हुआ, यहां तक कि अंग्रेजों ने भी इसका स्वाद पसंद किया।

झालमुड़ी की खासियत इसकी सादगी और सस्ती कीमत में छिपी है। 10-20 रुपये में मिलने वाला यह नाश्ता हर वर्ग के लोगों के लिए सुलभ है। यही वजह है कि यह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों-खासतौर पर लंदन जैसी जगहों पर भी लोकप्रिय हो चुका है।

आज झालमुड़ी सिर्फ एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि बंगाल की जीवंत संस्कृति, लोकजीवन और स्वाद की पहचान बन चुकी है-एक ऐसा स्वाद, जो हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है।

गर्मियों में इस तरह से खाएं ड्राई फ्रूट्स, नहीं करेगा नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। आपने शायद बहुत से लोगों को यह कहते सुना होगा कि गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स नहीं खाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है, अगर मेवा का सेवन सही तरीके से किया जाए तो इसे गर्मियों में आराम से खाया जा सकता है। आइए हम आपको बताते हैं कि गर्मी के मौसम में सूखे मेवों का सेवन करने का सही तरीका क्या है?

सूखे मेवे शरीर में काफी गर्मी पैदा करते हैं इसलिए गर्मी के दिनों में इनका सेवन नहीं करना चाहिए।

ड्राई फ्रूट्स को सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए खाया जाता है, लेकिन गर्मियों में ये आपके शरीर की गर्मी को बढ़ा सकते हैं। इसलिए लोग इन्हें खाने से बचते हैं क्योंकि इनसे मुंहासे और रैशेज हो सकते हैं।

गुड फैट, प्रोटीन, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी और फाइबर से भरपूर ये पोषक तत्व शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित

होते हैं। लेकिन फिर भी आपने लोगों को बादाम, काजू, खजूर, पिस्ता और अखरोट का सेवन सावधानी से करते हुए सुना होगा। तो आखिर इसके पीछे क्या वजह है?

आयुर्वेद के अनुसार हमारे शरीर में तीन प्रकार के दोष होते हैं- वात, पित्त और कफ। स्वस्थ शरीर के लिए इन तीनों दोषों का संतुलित होना आवश्यक है। जो लोग पित्त प्रकार के होते हैं उनके शरीर का तापमान थोड़ा अधिक हो सकता है और उनके हाथ और पैर गर्म हो सकते हैं।

द कम्प्लीट बुक ऑफ आयुर्वेदिक होम रेमेडीज किताब में वसंत लाड बताते हैं कि 'अखरोट और बादाम शरीर में पित्त दोष को बढ़ाते हैं।'

चूंकि सूखे मेवे प्राकृतिक रूप से गर्म होते हैं, इसलिए हमें इनका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए।

हालांकि, इसका मतलब नहीं है कि हमें उन्हें खाना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि इनमें कई तरह के आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। वे प्रोटीन और स्वस्थ न्यूट्रिएंट्स में उच्च हैं। न्यूट्रिशन जर्नल के अनुसार, प्रतिदिन पांच भीगे हुए बादाम या चार से पांच काजू खाने की सलाह दी जाती है। आपको इनका सेवन भी सीमित मात्रा में करना चाहिए।

गर्मियों में अखरोट

अखरोट में उच्च मात्रा में आयरन, कैल्शियम, कॉपर और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। गर्मियों में इन्हें रात भर भिगोकर ही खाना चाहिए।

गर्मियों में अंजीर

ऐसा माना जाता है कि अंजीर को केवल सर्दियों में ही खाया जा सकता है क्योंकि इसकी तासीर बेहद गर्म होती है। गर्मियों में आप दिन में दो अंजीर का सेवन कर सकते हैं, जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व होते हैं।

गर्मियों में बादाम

गर्मियों में शरीर की गर्मी से बचने के लिए सूखे मेवों को रातभर के लिए भिगो दें। बादाम को पहले बिना भिगोए खाने से शरीर में गर्मी पैदा हो सकती है, जिससे पिंपल्स और बवासीर जैसी अन्य स्थितियां हो सकती हैं। इसलिए इन्हें गर्मियों में भिगो दें और 4-5 बादाम पूरे दिन के लिए पर्याप्त होंगे।

गर्मियों में किशमिश

किशमिश आपके लिए बेहद सेहतमंद है। हालांकि, ये शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है इसलिए गर्मियों में हमेशा रात भर भीगी हुई किशमिश का सेवन करें।

सुविचार

छोटे–छोटे काम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	07:22-06:28 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	आश्लेषा	08:14-08:04 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		5:49 AM	चन्द्रोदय	01:04 PM
सूर्यास्त		6:45 PM	चंद्रास्त	02:32 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM -12:43 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:26-05:14
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:03 AM: 10:40 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

एक मई को मनाई जाएगी वैशाख पूर्णिमा

वैशाख पूर्णिमा पर सिद्धि योग पूजा से मिलेगा विशेष फल

यूनिक समय, मथुरा। वैशाख पूर्णिमा हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र मानी जाती है। इस दिन स्नान, व्रत, पूजा और दान करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान सत्य नारायण, माता लक्ष्मी और चंद्र देव की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 में वैशाख पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल गुरुवार को रात 9 बजकर 12 मिनट से शुरू होगी और 1 मई शुक्रवार को रात 10 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर इस बार वैशाख पूर्णिमा 1 मई को मनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस वर्ष व्रत, स्नान और दान के लिए अलग–अलग दिन नहीं हैं, बल्कि सभी धार्मिक कार्य एक ही दिन यानी 1 मई को किए जाएंगे।

इस दिन स्नान का सबसे उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 4:15 बजे से 4:58 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:52 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक है, जो पूजा और शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसके अलावा निशिता मुहूर्त रात 11:57 बजे से 12:39 बजे तक रहेगा। वैशाख पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में सूर्यास्त के बाद माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। इस दिन सूर्यास्त लगभग शाम 6:56 बजे होगा, जिसके बाद पूजा का शुभ समय शुरू हो जाएगा। वहीं चंद्रमा का उदय शाम 6:52 बजे होगा, और व्रत रखने वाले श्रद्धालु चंद्र दर्शन के बाद अर्घ्य देकर व्रत का समापन कर सकते हैं।

इस बार वैशाख पूर्णिमा पर सिद्धि योग और स्वाति नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है। सिद्धि योग पूरे दिन शुभ कार्यों, जप, तप और ध्यान के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किया गया दान और पुण्य कई गुना फल देता है। कुल मिलाकर, वैशाख पूर्णिमा इस वर्ष एक ही दिन मनाई जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं के लिए व्रत, स्नान और पूजा करना और भी सरल हो गया है। यह दिन आध्यात्मिक उन्नति और पुण्य अर्जन के लिए अत्यंत शुभ अवसर माना जाता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

आज का दिन सभी राशियों के लिए मिले–जुले परिणाम लेकर आया है। जहां कुछ लोगों को करियर और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं, वहीं कुछ राशियों को धैर्य और संयम के साथ परिस्थितियों का सामना करना होगा।

मेष राशि के जातकों को आज मानसिक तनाव और अनजाने भय का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार में बदलाव के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्चों में वृद्धि और पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

वृष राशि के लिए दिन अपेक्षाकृत बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सुधार, आय में वृद्धि और मित्रों का सहयोग मिलेगा, हालांकि पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी होगा।

मिथुन राशि के लोगों को शिक्षा और करियर में सफलता के संकेत हैं, लेकिन खर्चों और भागदौड़ में वृद्धि हो सकती है।

कर्क राशि के जातकों को परिवार का साथ और सम्मान मिलेगा, साथ ही धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

सिंह राशि के लिए दिन थोड़ा उतार–चढ़ाव भरा रह सकता है, जहां आत्मविश्वास तो रहेगा, लेकिन मानसिक अशांति परेशान कर सकती है।

कन्या राशि के जातकों को मेहनत का फल मिलेगा और रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे।

तुला राशि के लिए दिन शुभ संकेत दे रहा है, कारोबार में लाभ और नए अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशि के लोगों को पुराने मित्रों से सहयोग और नए रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

धनु राशि को क्रोध से बचने और संयम बनाए रखने की सलाह दी गई है। **मकर राशि** के लिए तरक्की के योग बन रहे हैं, लेकिन जीवन में उतार–चढ़ाव भी रहेंगे।

कुंभ राशि के लोगों को स्वास्थ्य और खर्चों को लेकर सावधानी बरतनी होगी।

मीन राशि के जातकों के लिए आय के नए स्रोत खुलने और पारिवारिक सहयोग मिलने के संकेत हैं।

गरुड़ पुराण के अनुसार विवाह का महत्व और मोक्ष से गहरा संबंध

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में विवाह को केवल सामाजिक बंधन नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संस्कार माना गया है। गरुड़ पुराण में विवाह के महत्व को आध्यात्मिक दृष्टि से समझाया गया है, जो सामान्य सोच से थोड़ा अलग नजर आता है। इसमें बताया गया है कि विवाह केवल पारिवारिक जीवन की शुरुआत नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और मोक्ष की दिशा में एक आवश्यक कदम है। पुराण के अनुसार प्रजापति रुचि का प्रसंग इस विषय को स्पष्ट करता है। रुचि ने सांसारिक मोह–माया से दूर रहकर विवाह न करने का निर्णय लिया था और एक तपस्वी जीवन जी रहे थे। लेकिन उनके पितृगण ने उन्हें समझाया कि गृहस्थ आश्रम का पालन करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि तप और त्याग। उन्होंने बताया कि विवाह

के माध्यम से ही मनुष्य अपने देव ऋण, पितृ ऋण और समाज के प्रति कर्तव्यों का निर्वाह कर सकता है। पितृगण के अनुसार विवाह के बाद ही व्यक्ति संतान उत्पत्ति, देव पूजा, पितृ तर्पण और अतिथि सेवा जैसे धार्मिक कर्तव्यों को पूर्ण कर पाता है। इन कर्तव्यों के बिना जीवन अधूरा माना गया है और मोक्ष की प्राप्ति भी कठिन हो जाती है। उनका मानना था कि गृहस्थ जीवन ही वह आधार है, जिस पर धर्म और समाज की संरचना टिकी हुई है। हालांकि रुचि का तर्क था कि विवाह दुख और बंधन का कारण बन सकता है, लेकिन पितृगण ने इसे अधूरा दृष्टिकोण बताया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शास्त्रों के अनुसार किए गए कर्म बंधन नहीं, बल्कि मोक्ष का मार्ग बनते हैं। कर्म और कर्तव्य का पालन ही आत्मा की शुद्धि का साधन है। इस प्रकार गरुड़ पुराण यह संदेश देता है कि विवाह केवल व्यक्तिगत इच्छा का विषय नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन, सामाजिक व्यवस्था और आध्यात्मिक उन्नति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

द्वारका का रुक्मिणी देवी मंदिर और श्राप की अनोखी कथा

यूनिक समय, मथुरा। रुक्मिणी देवी मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और प्राचीन परंपराओं का अद्भुत संगम भी माना जाता है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी रुक्मिणी देवी को समर्पित विश्व का एकमात्र प्रमुख मंदिर माना जाता है, जो अपनी अनोखी कथा और परंपराओं के कारण विशेष पहचान रखता है।

गुजरात के द्वारका में स्थित यह प्राचीन मंदिर लगभग 5वीं शताब्दी का माना जाता है। इसकी वास्तुकला पारंपरिक नागर शैली में बनी है, जिसमें दीवारों पर देवी–देवताओं की सुंदर नक्काशी और चित्रकारी देखने को मिलती है। मंदिर की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण भक्तों को विशेष आकर्षित करता है। यहां रुक्मिणी देवी की प्रतिमा अलंकारों और सुंदर वस्त्रों से सुसज्जित रहती है, जो भक्ति की दिव्य अनुभूति कराती है।

इस मंदिर की सबसे खास बात इसकी अनोखी परंपरा है, जहां प्रसाद के रूप में जल चढ़ाया जाता है। भक्त यहां देवी को जल अर्पित करते हैं और साथ ही पीने के पानी का दान भी करते हैं। इस परंपरा के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है, जो इस मंदिर को और भी विशेष बनाती है।

मान्यता के अनुसार, एक बार दुर्वासा ऋषि ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी से अपने रथ को खींचने के लिए कहा। यात्रा के दौरान जब ऋषि को प्यास लगी, तो रुक्मिणी ने उन्हें तुरंत जल नहीं दिया। इस बात से क्रोधित होकर दुर्वासा ऋषि ने श्राप दिया कि द्वारका क्षेत्र में पानी की कमी रहेगी और यहां की भूमि सूखी हो जाएगी। इसी कारण इस क्षेत्र में जल दान का विशेष महत्व माना जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, रुक्मिणी विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री थीं और बचपन से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मानती थीं। जब उनका विवाह शिशुपाल से तय किया गया, तब उन्होंने श्रीकृष्ण को संदेश भेजा। इसके बाद श्रीकृष्ण ने उनका हरण कर उनसे विवाह किया। हालांकि, दुर्वासा ऋषि के श्राप के कारण रुक्मिणी और श्रीकृष्ण के मंदिर अलग–अलग स्थानों पर स्थापित हुए। आज भी द्वारकाधीश मंदिर और रुक्मिणी देवी मंदिर के बीच की दूरी इस कथा की याद दिलाती है। यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि प्राचीन मान्यताओं, प्रेम और कर्तव्य की एक जीवंत कहानी भी है, जिसे देखने और समझने के लिए देश–विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 27 अप्रैल : मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल : भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई : एकदन्त संकष्टी
- 13 मई : अपरा एकादशी
- 14 मई : गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई : ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई : पद्मिनी एकादशी
- 28 मई : गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई : ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

सम्पादकीय

पढ़े-लिखे समाज में टूटता मन, बढ़ता मौन

कानपुर की अदालत परिसर में एक युवा वकील की आत्महत्या ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि उस मानसिक दबाव और सामाजिक संरचना का परिणाम है, जिसमें आज का युवा जी रहा है। अदालत, जो न्याय और संतुलन का प्रतीक मानी जाती है, वहीं इस तरह की घटना होना व्यवस्था और समाज दोनों के लिए गंभीर प्रश्न छोड़ जाता है। आज का समय उपलब्धियों और प्रतिस्पर्धा का समय है, लेकिन इसी के साथ मानसिक तनाव भी तेजी से बढ़ रहा है। युवा लगातार अपेक्षाओं, करियर की अनिश्चितता और सामाजिक दबावों के बीच घिरता जा रहा है। बाहरी सफलता की दौड़ में भीतर का संतुलन अक्सर टूट जाता है। यही असंतुलन कई बार ऐसे दुखद परिणामों में बदल जाता है।

पवन गौतम
संपादक

परिवार की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। बच्चों पर अनजाने में डाले गए सपनों और अपेक्षाओं का बोझ कई बार उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। संवाद की कमी और भावनाओं की अनदेखी स्थिति को और गंभीर बना देती है। जब व्यक्ति अपने दर्द को साझा नहीं कर पाता, तो वह भीतर ही भीतर टूटने लगता है।

शिक्षा और पेशेवर संस्थानों में भी मानसिक स्वास्थ्य को अभी उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता जितना लेना चाहिए। सफलता और प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि भावनात्मक संतुलन पीछे छूट जाता है। यही कारण है कि प्रतिभाशाली युवा भी दबाव के आगे हार मान लेते हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन कई बार यह अंतिम दर्द को भी सार्वजनिक कर देता है। ऐसे संकेतों को गंभीरता से लेना आवश्यक है।

यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहां सफलता ही जीवन का एकमात्र पैमाना बन गई है। यदि ऐसा है, तो हमें अपनी सोच को बदलना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही प्राथमिकता देनी होगी जितनी शारीरिक स्वास्थ्य को दी जाती है।

समाधान केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार और संवेदनशीलता में है। परिवार, शिक्षा संस्थान और समाज-सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां व्यक्ति बिना डर के अपनी भावनाएं व्यक्त कर सके। तभी हम ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

नजरिया

मानसून असंतुलन से कृषि और अर्थव्यवस्था संकट

धरती का मौसम अब अपने पुराने संतुलन को तेजी से खोता जा रहा है। कभी असामान्य गर्मी, कभी अचानक भारी बारिश और कभी लंबे सूखे की स्थिति-ये सब अब अपवाद नहीं बल्कि नई सामान्यता बनते जा रहे हैं। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि वैश्विक तापमान वृद्धि पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो आने वाले वर्षों में जलवायु आपदाएं और अधिक विनाशकारी रूप ले सकती हैं। प्रशांत महासागर में बदलते तापमान पैटर्न और संभावित मेगा अल नीनो जैसी स्थितियाँ इस खतरे को और गंभीर बना रही हैं। यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संकट भी है, जो हमारे भोजन, पानी, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है।

पिछले कुछ दशकों में पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ा है। औद्योगिक विकास, वनों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि पृथ्वी की प्राकृतिक ताप संतुलन प्रणाली बिगड़ गई है। मौसम चक्र में अस्थिरता बढ़ी है और ऋतुओं का स्वरूप अब पहले जैसा

निश्चित नहीं रहा। मानसून कभी देर से आता है तो कभी अत्यधिक वर्षा कर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर देता है, जिससे कृषि और जल संसाधनों पर सीधा असर पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर के सतही तापमान में असामान्य वृद्धि एक बड़े अल नीनो की ओर संकेत कर रही है। यदि यह "मेगा अल नीनो" में बदलता है, तो इसके परिणाम वैश्विक स्तर पर बेहद गंभीर हो सकते हैं। समुद्री तापमान बढ़ने से वायुमंडलीय दबाव प्रणाली प्रभावित होती है, जिससे मानसून कमजोर पड़ सकता है। भारत जैसे देश, जो कृषि और मानसून पर अत्यधिक निर्भर हैं, इसके सबसे बड़े शिकार बन सकते हैं। कहीं सूखा, कहीं बाढ़ और कहीं अनियमित वर्षा की स्थिति पैदा हो सकती है। यह न केवल फसल उत्पादन को प्रभावित करेगा, बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला, रोजगार और अर्थव्यवस्था को भी झकझोर सकता है। भारत पहले से ही भीषण गर्मी की चपेट में है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में गर्म हवाओं का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। लू की अवधि लंबी हो रही है और तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच रहा है। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट की इमारतें गर्मी को सोखकर वातावरण को और अधिक गर्म बना देती हैं, जिससे "अर्बन हीट आइलैंड" प्रभाव उत्पन्न होता है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में गर्मी केवल मौसमी समस्या नहीं रहेगी, बल्कि जीवन के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। मानसून प्रणाली पर भी गहरा संकट मंडरा रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा मानसून पर निर्भर है। कृषि, जल आपूर्ति, जल विद्युत उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सब कुछ मानसून से जुड़ा है। लेकिन जलवायु परिवर्तन ने इस प्रणाली को अस्थिर कर दिया है। कम और अनियमित वर्षा से सूखा पड़ता है, जबकि अत्यधिक वर्षा बाढ़ का कारण बनती है। दोनों ही स्थितियाँ समान रूप से विनाशकारी हैं। खेती की उपज घटती है, किसान कर्ज में दबते हैं और खाद्य महंगाई बढ़ती है। खेती अब केवल मौसम पर निर्भर नहीं, बल्कि अनिश्चित मौसम पर दांव बन गई है। तापमान में वृद्धि फसलों की वृद्धि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। गेहूं, धान और दलहन जैसी प्रमुख फसलें तापमान संवेदनशील होती हैं। पानी की कमी और अनियमित वर्षा सिंचाई व्यवस्था को प्रभावित करती है। परिणामस्वरूप उत्पादन लागत बढ़ती है और लाभ घटता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था कमजोर होती है और पलायन बढ़ता है। बढ़ता तापमान जल स्रोतों को भी प्रभावित कर रहा है। नदियों, झीलों और भूजल स्तर पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। कई क्षेत्रों में जल संकट पहले ही गंभीर रूप ले चुका है। भविष्य में पानी को लेकर संघर्ष और अधिक बढ़ सकता है। पेयजल की कमी केवल ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी महसूस की जाएगी। स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। अत्यधिक गर्मी हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन, हृदय रोग और श्वसन समस्याओं को बढ़ा रही है। बुजुर्ग, बच्चे और श्रमिक वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसके साथ ही, बढ़ता तापमान मच्छरों और रोगवाहकों के प्रसार को भी बढ़ाता है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। शहरीकरण ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पेड़ों की कटाई और कंक्रीट संरचनाओं के विस्तार ने तापमान को बढ़ा दिया है। शहर अब गर्मी के द्वीप बनते जा रहे हैं। यदि हरित क्षेत्र और जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो शहरी जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा। इस संकट से निपटने के लिए सरकारों को तत्काल और दीर्घकालिक दोनों स्तर पर कदम उठाने होंगे। हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना, कूलिंग सेंटर बनाना, पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करना और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना आवश्यक है। मौसम पूर्वानुमान की सटीकता बढ़ाने और तकनीक आधारित निगरानी तंत्र विकसित करने की भी जरूरत है। शहरी नियोजन में भी बड़े बदलाव जरूरी हैं। हरित क्षेत्र बढ़ाना, वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करना और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए। इसके साथ ही, सैटेलाइट डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का उपयोग जलवायु जोखिम को समझने में मदद कर सकता है। सामाजिक स्तर पर जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। लोगों को पानी और ऊर्जा की बचत के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलाव बड़े प्रभाव डाल सकते हैं, जैसे अनावश्यक धूप में बाहर न निकलना, पर्याप्त पानी पीना और कमजोर वर्गों का ध्यान रखना। यह भी स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह वैश्विक संकट है। इसके समाधान के लिए सभी देशों को मिलकर कार्बन उत्सर्जन कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में काम करना होगा। अंततः यह समझना जरूरी है कि बढ़ता तापमान और जलवायु असंतुलन अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसके परिणाम और अधिक भयावह हो सकते हैं। तैयारी ही सुरक्षा है और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

विचार विण्डो

महिला किसान: श्रम अधिक, पहचान अब भी कम

बोध प्रकाश सगुणी

कृषि केवल अन्न उत्पादन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह किसी भी समाज की जीवनरेखा है। इसी जीवनरेखा को जीवित रखने में जिन हाथों का योगदान सबसे अधिक है, वे अक्सर सबसे कम दिखाई देते हैं-और वे हाथ महिलाओं के हैं। खेतों की मिट्टी से लेकर घर की जिम्मेदारियों तक फैला उनका श्रम व्यापक है, लेकिन उनकी पहचान अब भी सीमित और अधूरी है। यही कारण है कि वर्ष 2026 को महिला किसानों पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाने की पहल की जा रही है, जिसका समन्वय खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा किया जा रहा है। यह पहल इस तथ्य की वैश्विक स्वीकृति है कि बिना महिला किसानों के कृषि व्यवस्था की कल्पना अधूरी है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा कृषि कार्यों में सक्रिय है। वे केवल सहायक श्रमिक नहीं, बल्कि खेती के लगभग हर चरण-बीज बोने, रोपाई, निराई-गुड़ाई, कटाई और पशुपालन-में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें "किसान" के रूप में वह मान्यता नहीं मिलती, जिसकी वे वास्तविक रूप से हकदार हैं।

वैश्विक स्तर पर भी स्थिति अलग नहीं है। खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार दुनिया की कृषि और खाद्य प्रणालियों के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग 36 से 40 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्रों से पुरुषों के शहरों की ओर पलायन ने इस स्थिति को और बदल दिया है, जिसे "कृषि का स्त्रीकरण" कहा जाता है। यानी खेती की जिम्मेदारी धीरे-धीरे महिलाओं के कंधों पर अधिक आती जा रही है, लेकिन संसाधनों और अधिकारों पर उनका नियंत्रण अब भी सीमित है।

यह सबसे बड़ा विरोधाभास है कि जिन महिलाओं पर खेती का वास्तविक बोझ है, उनके पास भूमि का स्वामित्व बहुत कम है। भारत में कृषि भूमि पर महिलाओं का स्वामित्व लगभग 12 से 14 प्रतिशत ही है। भूमि के नाम पर न होने के कारण उन्हें बैंक ऋण, कृषि बीमा, सरकारी सब्सिडी और तकनीकी प्रशिक्षण जैसी सुविधाओं तक समान पहुंच नहीं मिलती।

परिणामस्वरूप वे श्रम तो करती हैं, लेकिन निर्णय लेने की शक्ति से वंचित रहती हैं। महिला किसानों का श्रम केवल खेतों तक सीमित नहीं है। वे घर की जिम्मेदारियाँ, बच्चों की देखभाल, पशुपालन, जल और ईंधन की व्यवस्था-सब कुछ समानांतर रूप से संभालती हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि ग्रामीण महिलाओं का कार्य समय पुरुषों से अधिक होता है, फिर भी उन्हें समान मजदूरी नहीं मिलती। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना में गहराई से जमी हुई है।

यह स्थिति एक गंभीर प्रश्न उठाती है कि जब महिला किसान कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं, तो उनकी पहचान अब भी "अदृश्य श्रमिक" जैसी क्यों है? इसका उत्तर केवल नीतियों में नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में भी छिपा है।

किसान की पारंपरिक छवि अब भी पुरुष केंद्रित बनी हुई है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।

हाल के वर्षों में कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक रूप से अधिक सक्रिय हो रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना जैसी योजनाएँ उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधन और बाजार से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। कई क्षेत्रों में महिलाएँ जैविक और प्राकृतिक खेती की अगुवाई कर रही हैं, जो टिकाऊ कृषि का एक महत्वपूर्ण मॉडल बन रहा है।

सरकारी स्तर पर भी नई पहलें शुरू हुई हैं। ड्रोन तकनीक और सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ा जा रहा है। इससे न केवल उनकी कार्यक्षमता बढ़ रही है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भी कदम बढ़ रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि इन प्रयासों का लाभ अभी सीमित वर्ग तक ही पहुंच पाया है।

महिला किसानों की असली समस्या केवल तकनीक या प्रशिक्षण की कमी नहीं है, बल्कि अधिकार और पहचान की कमी है। जब तक भूमि, ऋण और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी नहीं बढ़ेगी, तब तक उनकी स्थिति में वास्तविक बदलाव संभव नहीं है। खेती में उनका योगदान जितना बड़ा है, सामाजिक मान्यता उतनी ही छोटी बनी हुई है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि महिला किसान केवल उत्पादन का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण समाज की स्थिरता और परिवार की पोषण सुरक्षा की भी आधारशिला हैं। वे भोजन की गुणवत्ता, बच्चों के स्वास्थ्य और घरेलू अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें नीति निर्माण में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला किसानों को केवल श्रम शक्ति नहीं, बल्कि किसान के रूप में पूर्ण पहचान दी जाए। भूमि अधिकारों में समानता, वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी-ये तीन प्रमुख कदम इस असमानता को कम कर सकते हैं। यदि कृषि को वास्तव में समावेशी और टिकाऊबनाना है, तो महिला किसानों को केंद्र में लाना होगा। केवल श्रम में नहीं, बल्कि अधिकार और नेतृत्व में भी उनकी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। यही सच्चा कृषि सुधार होगा और यही ग्रामीण भारत के भविष्य को मजबूत बनाएगा।

अंततः यह स्पष्ट है कि भारतीय कृषि का भविष्य महिला किसानों के बिना अधूरा है। वे केवल खेतों की श्रमिक नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक संतुलन की असली आधारशिला हैं। अब समय आ गया है कि उन्हें अदृश्य श्रम से निकालकर दृश्य नेतृत्व में स्थान दिया जाए।

पाकिस्तान सुपर लीग में गरमा गया माहौल

आमिर–फहीम भिड़ंत ने मचाया बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग एक बार फिर क्रिकेट से ज्यादा विवादों के कारण चर्चा में आ गई है। इस बार केंद्र में हैं मोहम्मद आमिर, जिनका मैदान पर आक्रामक रवैया सुर्खियां बटोर रहा है। पहले भारतीय युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को "स्लॉगर" कहकर विवाद खड़ा करने वाले आमिर अब अपने ही साथी खिलाड़ी से भिड़ गए हैं।

यह घटना रावलपिंडीज और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच खेले गए मुकाबले की है। मैच के दौरान इस्लामाबाद की टीम संघर्ष कर रही थी और फहीम अशरफ क्रीज पर टिककर पारी संभालने की कोशिश कर रहे थे। तभी आमिर ने 17वें ओवर में शानदार गेंद डालते हुए फहीम को आउट कर दिया। फहीम ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे विकेटकीपर के हाथों में चली गई।

विकेट मिलने के बाद आमिर का उत्साह अचानक आक्रामकता में बदल गया। उन्होंने फहीम को गुस्से में इशारा करते हुए मैदान से बाहर जाने को कहा, जिसे क्रिकेट के "स्पिरिट" के खिलाफ माना जा रहा है। आमिर के इस व्यवहार से नाराज फहीम अशरफ भी खुद को रोक नहीं पाए और दोनों खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। हालात इतने बिगड़ गए कि अंपायर और अन्य खिलाड़ियों को बीच–बचाव करना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां फैंस आमिर के व्यवहार की आलोचना कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि एक प्रोफेशनल खिलाड़ी से ऐसे आक्रामक और असंयमित व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती।

हालांकि इस विवाद के बीच मैच का परिणाम रावलपिंडीज के पक्ष में गया। टीम ने 137 रनों के लक्ष्य को 18.1 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान मोहम्मद रिजवान की अगुवाई में टीम ने आखिरकार इस सीजन की पहली जीत दर्ज की, जिससे लगातार हार का सिलसिला टूटा।

फिर भी, इस जीत से ज्यादा चर्चा आमिर और फहीम के बीच हुई भिड़ंत की हो रही है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि क्या क्रिकेट में आक्रामकता अब खेल भावना पर हावी होती जा रही है।

ईद 2027 पर सलमान–प्रभास की टक्कर

सिनेमाघरों में रिलीज डेट को लेकर बढ़ेगी टेंशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो बड़े सितारे एक बार फिर पर्दे पर आमने–सामने नजर आने वाले हैं। सलमान खान ने अपनी नई फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है, जिसे वह ईद 2027 पर दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में हैं। इस ऐलान के साथ ही उनका सीधा मुकाबला प्रभास और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से तय माना जा रहा है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शुरुआत की झलक साझा करते हुए दर्शकों से धैर्य रखने की अपील की। उन्होंने संकेत दिया कि यह फिल्म ईद के मौके पर ही प्रदर्शित होगी और इसके लिए दर्शकों को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। ईद पर फिल्मों को प्रदर्शित करने का उनका पुराना रिकॉर्ड काफी मजबूत रहा है, इसलिए वे इस खास अवसर को फिर से भुनाने की तैयारी में हैं।

वर्ष 2027 में ईद 9 मार्च को पड़ रही है। ऐसे में निर्माता फिल्म को इसके आसपास के दिनों में प्रदर्शित कर लंबी छुट्टियों का लाभ उठाना चाहेंगे। हालांकि यही समय 'स्पिरिट' के लिए भी पहले से तय बताया जा रहा है, जिससे दोनों फिल्मों के बीच टकराव लगभग निश्चित हो गया है।

यह मुकाबला केवल कलाकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बड़े बजट, प्रसिद्ध निर्देशक और भारी दर्शक वर्ग भी शामिल है। ऐसे में सिनेमा घरों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती है, क्योंकि दोनों फिल्मों को पर्याप्त पर्दे देना आसान नहीं होगा। पहले भी ऐसे मौकों पर सिनेमा घरों को शो बांटने की स्थिति का सामना करना पड़ा है।

सलमान खान के करियर में ईद पर प्रदर्शित फिल्में खास पहचान रखती हैं। 'वॉन्टेड', 'दबंग', 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' जैसी कई सफल फिल्में इसी अवसर पर आई हैं। हालांकि पिछली ईद पर उनकी फिल्म वैसी सफलता नहीं पा सकी, जैसी उम्मीद की गई थी। ऐसे में वह इस बार जोरदार वापसी की तैयारी में हैं। अब देखना यह होगा कि क्या दोनों में से कोई अपनी फिल्म की तारीख बदलता है या फिर दर्शकों को एक ही समय में दो बड़ी फिल्मों का मुकाबला देखने को मिलेगा। यह टकराव दर्शकों के लिए काफी रोमांचक साबित हो सकता है।

200 करोड़ की मम्मी ने बॉक्स ऑफिस को हिलाया

यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉरर फिल्मों के बीच इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल रहा है। 'द मम्मी' ने रिलीज के बाद से ही दुनियाभर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है और 'भूत बंगला' को कड़ी चुनौती दे रही है।करीब 200 करोड़ के बजट में बनी इस हॉरर फिल्म ने महज कुछ दिनों में शानदार कमाई करते हुए ग्लोबल स्तर पर लगभग 350 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म का निर्देशन ली क्रोनिन ने किया है और इसकी डरावनी कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल रही है।

भारत में भी फिल्म का प्रदर्शन अच्छा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले दिन फिल्म ने 2 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली। इसके बाद दूसरे दिन 3 करोड़, तीसरे दिन 4 करोड़, चौथे दिन 2 करोड़, पांचवें दिन 2.25 करोड़ और छठे दिन करीब 2 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस तरह फिल्म भारत में अब तक लगभग 15.25 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है।

वहीं, पहले रिलीज हुई 'भूत बंगला' पहले ही 137 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर चुकी है, लेकिन 'द मम्मी' की रफ्तार ने इसके सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। दर्शकों के बीच हॉरर फिल्मों की बढ़ती लोकप्रियता का फायदा दोनों फिल्मों को मिल रहा है। कुल मिलाकर, 'द मम्मी' ने कम समय में ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराते हुए यह साबित कर दिया है कि दमदार कहानी और डरावना अनुभव आज भी दर्शकों को आकर्षित करने में सफल है।

आईपीएल में सैमसन शो के आगे ढही मुंबई इंडियंस

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए हाई–वोल्टेज मुकाबले में दर्शकों को एकतरफा लेकिन रोमांचक खेल देखने को मिला। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुए इस मैच में संजू सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 101 रन ठोक दिए और अपनी टीम को 103 रन की बड़ी जीत दिला दी।

संजू सैमसन ने 54 गेंदों में यह शतक पूरा किया। उनकी पारी में चौकों–छक्कों की झड़ी लगी रही और उन्होंने मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया। शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलते हुए सैमसन ने पारी को अंत तक संभाले रखा और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा।

इस मुकाबले को आईपीएल का "एल क्लासिको" भी कहा जाता है, क्योंकि दोनों टीमों के बीच हमेशा कड़ी टक्कर देखने को मिलती है। लेकिन इस बार मुकाबला पूरी तरह एकतरफा रहा। चेन्नई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस की पूरी टीम दबाव में बिखर गई।

सैमसन की इस पारी ने क्रिकेट प्रेमियों को महेंद्र सिंह धोनी की याद दिला दी। जिस तरह से उन्होंने जिम्मेदारी के साथ टीम को संभाला, उससे यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या

54 गेंदों में शतक सैमसन ने पलटा मैच

वह "थला" की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास और मैच पर नियंत्रण साफ नजर आया।

मुंबई इंडियंस की ओर से कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। शुरुआती झटकों के बाद टीम वापसी नहीं कर पाई और अंततः बड़ा अंतर झेलना पड़ा। गेंदबाजी में भी मुंबई का प्रदर्शन फीका रहा, जिसका फायदा चेन्नई ने पूरी तरह उठाया। इस जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। वहीं, मुंबई इंडियंस के लिए यह हार कई सवाल खड़े कर गई है, खासकर उनकी गेंदबाजी और मध्यक्रम की कमजोरी को लेकर। कुल मिलाकर, यह मुकाबला पूरी तरह संजू सैमसन के नाम रहा, जिन्होंने अपनी शानदार पारी से मैच को यादगार बना दिया।

'लॉरेंस ऑफ पंजाब' पर ब्रेक रिलीज से पहले ही सीरीज पर बैन

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विवादों में घिरी डॉक्यूसीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' की रिलीज पर रोक लगा दी है। यह सीरीज कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके आपराधिक नेटवर्क पर आधारित बताई जा रही थी, जिसे लेकर पहले से ही राजनीतिक और कानूनी विवाद चल रहा था।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म एए5 को निर्देश दिया गया कि वह इस सीरीज का प्रसारण न करे। यह सीरीज 27 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही सरकार के फैसले ने इसकी राह रोक दी।

इस मामले में पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की गई थी, जिसमें सीरीज पर आपत्ति जताई गई थी। याचिका कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह राजा वारिंग की ओर से दाखिल

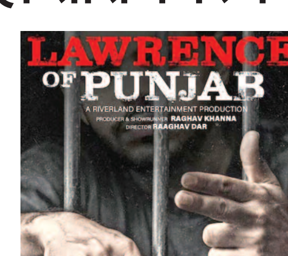

की गई थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि प्रसारण रोकने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जिसके बाद याचिका का निपटारा कर दिया गया। सीरीज को लेकर पंजाब में राजनीतिक माहौल गरमा गया था। कई दलों ने आरोप लगाया कि यह गैंगस्टर संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, परिवार की ओर से भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी। फिलहाल, सरकार के इस फैसले के बाद 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' की रिलीज पर पूरी तरह विराम लग गया है।

कानपुर कचहरी से कूदकर वकील ने दी जान, नोट में छलका दर्द

'पापा शव न छुएं' लिखकर वकील ने खत्म की जिंदगी

यूनिक समय, लखनऊ। कानपुर की अदालत परिसर में घटी यह घटना सिर्फ एक आत्महत्या नहीं, बल्कि उन अनकहे दर्दों की कहानी है जो अक्सर परिवारों की चारदीवारी में दबे रह जाते हैं। 24 वर्षीय प्रशिक्षु अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव ने पांचवीं मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, लेकिन पीछे छोड़ गए सवालों का लंबा सिलसिला।

मौत से पहले लिखे गए दो पन्नों के सुसाइड नोट में प्रियांशु ने अपने बचपन से लेकर युवावस्था तक के अनुभवों को उकेरा। उन्होंने लिखा कि बचपन की छोटी–छोटी गलतियों पर मिली कठोर सजा और बार–बार की गई बेइज्जती ने उनके मन में गहरे घाव बना दिए। छह साल की उम्र की एक घटना–मैंगो शेक पी लेने पर घर से निर्वस्त्र निकालना–उनके मन में ऐसी छाप छोड़ गई, जो जीवन भर मिट नहीं सकी। समय के साथ यह दर्द कम होने के बजाय बढ़ता गया। पढ़ाई, करियर और हर छोटे फैसले में लगातार दबाव और शक की निगाहों ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया। उन्होंने अपने नोट में लिखा कि हर पल हिसाब देना, हर कदम पर सवाल उठना और सबके सामने अपमानित होना उनके लिए मानसिक यातना बन गया था। प्रियांशु ने यह भी बताया कि उन्होंने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने की पूरी कोशिश की। ट्यूशन पढ़ाकर घर चलाने में सहयोग दिया, बहन के लिए स्कूटी और पिता के लिए मोबाइल तक खरीदा। इसके बावजूद उन्हें तानों और आरोपों का सामना करना पड़ा। अंततः यह दबाव इतना बढ़ गया कि उन्होंने खुद को पूरी तरह असहाय महसूस किया। उनकी आखिरी पंक्तियां सबसे ज्यादा झकझोरने वाली रहीं–उन्होंने लिखा कि उनके पिता उनके शव को भी न छुएं। यह वाक्य केवल गुस्से का नहीं, बल्कि उस टूटे हुए रिश्ते का प्रतीक है, जहां संवाद की जगह दूरी और पीड़ा ने ले ली थी। यह घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम

अपमान और दबाव से टूटे वकील ने उठाया खौफनाक कदम

दो पन्नों में दर्द लिखकर युवक ने दी जान

बचपन की कड़वी यादें बनीं मौत की वजह

अपने ही घरों में अनजाने में ऐसे हालात पैदा कर रहे हैं, जहां युवा खुद को अकेला और असहाय महसूस करने लगते हैं। सफलता, अनुशासन और अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है संवेदनशीलता और संवाद।

प्रियांशु की कहानी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस सामाजिक दबाव का आईना है, जिसे समय रहते समझना और बदलना बेहद जरूरी है।

मुरादाबाद हाईवे हादसा: तेज रफ्तार डंपर बना काल

सास–बहू समेत चार लोगों की मौत

यूनिक समय, मुरादाबाद। मुरादाबाद–संभल हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। थाना मैनाठेर क्षेत्र के असदपुर पुलिया के पास तेज रफ्तार डंपर ने भात कार्यक्रम से लौट रहे लोगों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में सास–बहू समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, संभल जिले के भटोला गांव निवासी उषा अपने परिवार के साथ मैनाठेर के गुरेर गांव में भात समारोह में शामिल होने आई थीं। कार्यक्रम के बाद शुक्रवार

सुबह करीब छह बजे सभी लोग ट्रैक्टर–ट्रॉली से वापस लौट रहे थे। तभी असदपुर पुलिया के पास मुरादाबाद की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली में सवार लोग सड़क पर जा गिरे और मौके पर चीख–पुकार मच गई। हादसे में 10 वर्षीय अजीत, 55 वर्षीय शांति देवी, 30 वर्षीय सुमन और एक अन्य महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। अधिकारियों के

हाईवे पर मची चीख–पुकार, 14 लोग घायल

डंपर चालक फरार, जांच तेज

अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलने वाले भारी वाहनों के खतरे को उजागर करता है, जो सड़कों पर आम लोगों की जान के लिए गंभीर चुनौती बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने गिनाईं कृषि क्षेत्र में उपलब्धियां

खेती में बदलाव से बढ़ा किसानों का भरोसा:योगी

यूनिक समय, लखनऊ । योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अब कृषि क्षेत्र में शोध केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सीधे खेतों तक पहुंच रहा है। उन्होंने इसे एक बड़ा बदलाव बताते हुए कहा कि इससे किसानों में उत्साह और भरोसा बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह जाती थीं, लेकिन अब उन्हें जमीन पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। "खेती की बात खेत में" जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इन पहलों से किसानों को सीधे लाभ मिला है और वे नई तकनीकों को अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका पर भी जोर दिया। वर्ष 2017 में जहां इन केंद्रों की स्थिति कमजोर थी, वहीं अब उनकी सक्रियता बढ़ी है और वे किसानों को नई तकनीक, बीज और प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, इसी का परिणाम है कि प्रदेश की कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

तकनीक को खेती का "निर्णायक कारक" बताते हुए उन्होंने कहा कि समय पर बीज, आधुनिक उपकरण और वैज्ञानिक तरीकों से उत्पादन में वृद्धि संभव है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कुछ क्षेत्रों में प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल तक उत्पादन हो रहा है, जो किसानों की मेहनत और तकनीक के समन्वय का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने की भी बात कही। उन्होंने बाराबंकी के किसान राम शरण वर्मा का उदाहरण देते हुए बताया कि सीमित शिक्षा के बावजूद वे आधुनिक खेती से बेहतर उत्पादन कर रहे हैं। ऐसे किसानों के अनुभवों को अन्य किसानों तक पहुंचाना जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि अब किसानों को बिजली, जानकारी और संसाधनों की बेहतर उपलब्धता मिल रही है, जिससे वे एक वर्ष में तीन–तीन फसलें लेने में सक्षम हो रहे हैं। मक्का, गेहूं और आलू के उत्पादन में प्रदेश ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं।

मुख्यमंत्री के अनुसार, कृषि और उत्पादन के बेहतर तालमेल से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और किसानों का आत्मविश्वास लगातार बढ़ रहा है।

यूपी में भीषण गर्मी का कहर 40 जिलों में लू का अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि मौसम विभाग ने 40 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। लगातार तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिन के साथ–साथ रातें भी असामान्य रूप से गर्म हो रही हैं। 17 जिलों में "वार्म नाइट" की चेतावनी दी गई है, जिससे लोगों को दिन–रात गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

बांदा प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में 30 से अधिक जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर रिकॉर्ड किया गया है। कानपुर में एक दर्दनाक घटना में 45 वर्षीय व्यक्ति की चलती बाइक पर मौत हो गई, जिसे प्रारंभिक रूप से हीट स्ट्रोक से जोड़ा जा रहा है, हालांकि मेडिकल जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा।

भीषण गर्मी को देखते हुए आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी में

44.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा पारा

चलती बाइक पर हीट स्ट्रोक से व्यक्ति की मौत

दोपहर 12 से 4 बजे तक मजदूरों के काम पर रोक लगा दी गई है। वहीं, गोरखपुर चिड़ियाघर में हाथी लगातार पानी से खुद को ठंडा करता नजर आया, जबकि लखनऊ जू में जानवरों के लिए कूलर, बर्फ की सिल्ली और स्प्रिंकलर की व्यवस्था की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 26 अप्रैल से प्रदेश में मौसम बदलने लगेगा। पश्चिमी यूपी और तराई क्षेत्रों में बादल, बूंदाबांदी और आंधी–तूफान की संभावना है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। 29 अप्रैल तक मौसम में उतार–चढ़ाव जारी रहेगा। फिलहाल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और लू से बचाव के उपाय अपनाएं।

सांसद अरुण गोविल के आश्वासन पर सेंट्रल मार्केट धरना स्थगित

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सेटबैक विवाद को लेकर चल रहा महिलाओं का धरना सांसद अरुण गोविल के आश्वासन के बाद फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। धरना स्थल पर पहुंचे सांसद ने महिलाओं और व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से विचार कर रही है।

इस आश्वासन के बाद महिलाओं ने आंदोलन को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय लिया, हालांकि उन्होंने साफ किया कि यदि राहत नहीं मिली तो वे फिर से धरना शुरू करेंगी।

नोटिस कार्रवाई जारी

धरने के दौरान माहौल भावुक हो गया, जहां व्यापारियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की और सांसद से समाधान की मांग की।

वहीं दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की टीम ने आरटीओ रोड की ओर दुकानों पर नोटिस चस्पा करना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत अवैध निर्माण हटाने के लिए, दो सप्ताह का समय दिया गया है, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

सार संक्षेप

करोल बाग फायरिंग में युवक घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। करोल बाग में तड़के फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। घटना सुबह करीब 2:30 बजे कालका दास चौक के पास हुई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मौके से दो खाली और एक जिंदा कारतूस मिले, जिससे तीन राउंड फायरिंग की पुष्टि होती है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीएसटी विभाग में बड़ा फेरबदल: 162 अधिकारियों का ट्रांसफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली के ट्रेड एंड टैक्सेस (जीएसटी) विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। कुल 162 अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर किया गया है, जो लंबे समय से एक ही पद पर तैनात थे। सरकार ने यह कदम भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया है। आठ अप्रैल को मुख्यमंत्री के विभाग दौरे के दौरान कई अनियमितताएं सामने आई थीं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। ट्रांसफर में असिस्टेंट कमिश्नर समेत कई स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग नाम पर धमकी का मामला: आरोपी फिर रिमांड पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी और रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने आरोपी राजपाल चंद्रावत को दोबारा रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार यह दूसरा मामला सामने आया है, जिसमें उसी पैटर्न पर धमकी दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई के नाम का इस्तेमाल कर व्हाट्सएप और वीपीएन नंबरों से फिरौती मांगी गई थी। जांच में कई आरोपियों के शामिल होने के सबूत मिले हैं और पुलिस आगे पूछताछ कर रही है।

नितिन गडकरी को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के मामले में नागपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। फेसबुक पर "सनातनी शेर" नाम के अकाउंट से अपलोड एक वीडियो में आपत्तिजनक और धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान नागपुर निवासी आयुष रमेश चंद्र अग्रवाल के रूप में हुई है। नागपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

ईपीएफओ 3.0: अब यूपीआई से मिनटों में निकलेगा पीएफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जल्द ही नया डिजिटल सिस्टम ईपीएफओ 3.0 लॉन्च करने जा रहा है, जिससे पीएफ निकालना बेहद आसान हो जाएगा। नई सुविधा के तहत कर्मचारी यूपीआई के जरिए मिनटों में पैसा अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर सकेंगे। इस प्रक्रिया में यूएएन लॉगिन, ओटीपी वेरिफिकेशन और यूपीआई आईडी लिंक करना होगा।

ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा हमला

'बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर कब्जा करूंगी'

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उनका जन्म बंगाल में हुआ है और वे जीवनभर बंगाल के लिए ही समर्पित रहेंगी। ममता बनर्जी ने भावनात्मक और आक्रामक अंदाज में कहा कि बंगाल की जनता का समर्थन उनके साथ है और कोई भी ताकत उन्हें हराने की क्षमता नहीं रखती। अपने संबोधन में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रशासनिक तंत्र में अपने समर्थकों को जगह दी है और अधिकारियों की नियुक्ति भी राजनीतिक आधार पर की गई है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अन्याय के खिलाफ लड़ती रही है और जनता के अधिकारों की रक्षा करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है। ममता बनर्जी ने आगे कहा, "मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि बंगाल में जीत हासिल करने के बाद उनका अगला लक्ष्य दिल्ली होगा। उनके शब्दों में, "बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी।"

पहले चरण के मतदान को बताया बदलाव का संकेत

'बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है दीया' : नरेंद्र मोदी

कहा, टीएमसी सत्ता से बाहर होने वाली है

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दमदम में आयोजित रैली में तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और भारतीय जनता पार्टी की जीत का संकेत दे दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि "टीएमसी का दीया बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है," यह संकेत देते हुए कि पार्टी सत्ता से बाहर होने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा है, लेकिन अब जनता ने पहले चरण में मतदान के जरिए लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने मतदाताओं से दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। मोदी ने कहा कि बंगाल को भय, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज और महिलाओं पर अत्याचार जैसी समस्याओं से मुक्ति दिलाना जरूरी है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए सुभाष चंद्र बोस का उल्लेख किया और कहा कि यह समय नई क्रांति का है, जो जनता के वोट से आएगी। प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, रोजगार और विकास को प्राथमिकता देने का वादा किया। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए कई योजनाएं लागू की जाएंगी, जिनमें आवास और आर्थिक सहायता प्रमुख होंगी।

सम्राट चौधरी का भरोसा, 'नीतीश के रास्ते पर ही चलेंगे'

कहा, नीतीश जी से अलग चलने की सोच भी नहीं सकते

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में नए सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार नीतीश कुमार के मार्गदर्शन पर ही चलेगी। उन्होंने कहा कि नीतीश जी की लकीर इतनी मजबूत है कि उससे अलग चलने की सोच भी नहीं सकते। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि नई सरकार बिहार के विकास और सुशासन के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए के पास 200 से अधिक विधायकों का समर्थन है, जिससे सरकार के बहुमत साबित करने में कोई कठिनाई नहीं दिख रही। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी स्वीकार किया कि विपक्ष की संख्या कम है, लेकिन उन्होंने सरकार से जनता से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की बात सुनने की अपील की। सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता का भरोसा ही सरकार की ताकत है और भविष्य में भी एनडीए को समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि गठबंधन मजबूत और स्थिर है।

श्रीनगर होटल हादसा: लिफ्ट गिरने से छह पर्यटक घायल, जांच शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीनगर में शुक्रवार को एक होटल में बड़ा हादसा सामने आया, जहां लिफ्ट गिरने से छह पर्यटक घायल हो गए। घटना के बाद होटल परिसर में अफरातफरी मच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा शहर के हैदरपोरा इलाके स्थित एक होटल में हुआ, जहां सभी पर्यटक ठहरे हुए थे। अचानक लिफ्ट के नीचे गिरने से उसमें सवार लोगों को गंभीर झटका लगा। हादसे में सभी पर्यटकों को पैरों और शरीर के निचले हिस्से में चोटें आईं।

घायलों की पहचान वेंकटेश (65), डी. मंगुला (54), कुशल्ला (18), पंकजा (16), वेंकटलक्ष्मम्मा (60) और सौभाग्य (60) के रूप में हुई है। सभी पर्यटक दक्षिण भारत से कश्मीर घूमने आए थे। घटना के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लिफ्ट में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है, हालांकि प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। होटल प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

इस घटना के बाद पर्यटन स्थलों पर होटलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गर्मी के मौसम में कश्मीर में पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में इस तरह की घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। फिलहाल प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। वहीं घायलों के इलाज और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

ट्रक-कार टक्कर में पांच की मौत, तीन घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। पवनी तहसील के अड्याट क्षेत्र में गुरुवार रात करीब 9:45 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक ने मारुति वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चार महिलाओं और एक पुरुष सहित कुल पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। वे कोंढा कोसरा गांव से विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर अपने गांव अड्याट वापस जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। मृतकों में श्वेता नगरे, प्रभाकर चाचरकर, उनकी पत्नी मुन्नी चाचरकर, नयना नगरे और दुर्गा नगरे शामिल हैं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घायल लोगों में दूल्हे के रिश्तेदार भी शामिल हैं। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं।

गर्मियों में आसान सफर

समर स्पेशल ट्रेनों से बढ़ेगी कन्फर्म टिकट की संभावना

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए इंडियन रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में एक बैठक में समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और सुगम यात्रा अनुभव मिले।

रेल मंत्रालय के अनुसार, 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 के बीच कुल 18,262 समर स्पेशल ट्रेन ट्रिप चलाने की योजना बनाई गई है। इनमें से 11,878 ट्रिप पहले ही घोषित किए जा चुके हैं, जबकि शेष ट्रेनों की घोषणा चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ को कम करना और देशभर में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों जैसे पुणे, सूरत (उधना सहित), अहमदाबाद और बेंगलुरु पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त स्टाफ और सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई है। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे ने भी 104 ट्रेनों में 132 अतिरिक्त कोच जोड़े हैं, जिससे अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी और यात्रियों के टिकट कन्फर्म होने की संभावना बढ़ेगी। वहीं, पश्चिमी रेलवे ने सूरत के उधना स्टेशन पर रियल-टाइम भीड़ प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे यात्रियों को व्यवस्थित तरीके से ट्रेन में चढ़ने में मदद मिल रही है। कुछ प्रमुख ट्रेनों में अस्थायी रूप से अतिरिक्त कोच भी जोड़े गए हैं। इनमें लालगढ़-दिल्ली सराय रेल सेवा, जयपुर-जोधपुर रेल सेवा, इंदौर-भगत की कोठी और जोधपुर-वाराणसी सिटी रूट शामिल हैं।

ट्रंप ने बढ़ाया इजराइल-लेबनान सीजफायर, शांति की उम्मीद

यह फैसला व्हाइट हाउस में हुई कूटनीतिक बातचीत के बाद लिया गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच चल रहे सीजफायर को तीन हफ्ते बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला व्हाइट हाउस में हुई कूटनीतिक बातचीत के बाद लिया गया, जिसमें दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ट्रंप ने कहा कि बातचीत "बहुत अच्छी" रही और इससे क्षेत्र में शांति की उम्मीद बढ़ी है।

यह सीजफायर इजराइल और लेबनान के बीच पहले 10 दिनों के लिए लागू किया गया था, लेकिन बीच-बीच में उल्लंघन की घटनाएं भी सामने आईं। अब इसे आगे बढ़ाकर स्थिति को स्थिर करने की कोशिश की जा रही है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका लेबनान की सुरक्षा क्षमता मजबूत करने में भी मदद करेगा, ताकि वह हिजबुल्लाह से खुद को सुरक्षित रख सके। इस समझौते को क्षेत्रीय तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इजराइली और लेबनानी राजनयिकों के बीच यह हाल के वर्षों में पहली प्रत्यक्ष बातचीत है। दोनों देशों के बीच 1948 के बाद से औपचारिक तनाव बना हुआ है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि वे जल्द ही इजरायली प्रधानमंत्री और लेबनानी राष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं। बातचीत का उद्देश्य स्थायी शांति और सीमा विवादों का समाधान निकालना है।

मथुरा जंक्शन के मैन गेट पर पसरा सन्नाटा।

भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों का असर

रेलवे स्टेशन पर पसरा सन्नाटा

दो एवं तीन नंबर प्लेटफार्म खाली।

चार नंबर प्लेटफार्म से तीन नंबर पर आने के लिए रेलवे लाइन पार करते लोग।

तीन नम्बर प्लेटफार्म पर लगे नल में पानी कम आने से यात्री परेशान।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आसमान से बरस रही आग से मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। शुक्रवार को यूनिक समय टीम ने स्टेशन का जायजा लिया। जंक्शन के मुख्य दरवाजे के सामने तल्ख धूप के कारण सन्नाटा दिखाई दिया। अंदर प्लेटफार्मों की स्थिति भी कुछ ऐसी थी। दो और तीन प्लेटफार्म पर यात्री बहुत कम संख्या में दिखाई दिए। हालांकि चार नंबर प्लेटफार्म से तीन नंबर प्लेटफार्म रेलवे लाइन पार कर यात्री आते दिखाई दिए। इन यात्रियों को रोकने के लिए कोई पुलिसकर्मी नहीं था। न ही रेलवे के कर्मचारी। ताकि यात्रियों को यह बताया जा सके कि वह ऐसे न आएं, किसी हादसे के शिकार हो सकते हैं। रेलवे स्टेशन पर एक नल से बहुत कम पानी की आपूर्ति होने से यात्री परेशान दिखाई दिए।

मथुरा जंक्शन पर मानव धर्म सेवा संस्थान के कार्यकर्ता यात्रियों को ठंडा पानी पिलाते हुए।

मथुरा जंक्शन स्टेशन पर निःशुल्क जल सेवा शुरू

मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मानव धर्म सेवा संस्थान की ओर से निःशुल्क जल सेवा प्रारंभ की गई।

गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा के अंतर्गत मथुरा जंक्शन स्टेशन से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। मानव धर्म सेवा संस्थान के सौजन्य से मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर निःशुल्क आरओ जल सेवा की सेवा शुरुआत की। इस पहल से यात्रियों को अत्यधिक सुविधा एवं राहत प्राप्त हुई है। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों के साथ मंडल वाणिज्य निरीक्षक मथुरा जंक्शन पवन कुमार भी मौजूद थे।

यमुना एक्सप्रेस वे पर बस में आई खराबी, सवारियों में मचा हड़कंप

यूनिक समय मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर नौहझील थाना क्षेत्र में नोएडा से आगरा के लिए जा रही एक बस में तक्नीकि खराबी के कारण यात्रियों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को ठीक कराया। इसके बाद यात्रियों ने राहत की सासं ली।

नोएडा से आगरा के लिए 50 सवारियों को लेकर जाती बस में गुरुवार की देर रात करीब 11 बजे नौहझील थाना क्षेत्र के माइल स्टोन संख्या 62 पर खराबी आ गई। बस के अचानक खराब होने पर बस में सवार 50 यात्रियों में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे बाजना कट चौकी प्रभारी और नौहझील थाना पुलिस ने बस में आई खराबी के बारे में पता किया। पुलिस ने टेक्नीशियन को बुलाकर बस के इंजान में आई खराबी को ठीक कराकर बस को गंतव्य के लिए रवाना किया। इसके बाद सवारियों ने राहत की सांस ली।

पुलिस ने टेक्नीशियन से दूर कराई खराबी

सैनी सभा के जिलाध्यक्ष महेश सैनी के आवास पर हमले की निंदा

चामुंडा कॉलोनी स्थित महाराजा सूर्यसेन सैनी पब्लिक स्कूल में बैठक को संबोधित करते वक्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के ग्राम राजपुर में सैनी सभा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट महेश सैनी के घर पर 21 अप्रैल को हुई फायरिंग और पुलिस की एकतरफा कार्रवाई के विरोध में आज सैनी समाज ने बड़े आन्दोलन का ऐलान किया है।

चामुंडा कॉलोनी स्थित महाराजा सूर्यसेन सैनी पब्लिक स्कूल में सैनी सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं पार्षद लक्ष्मण सैनी की अध्यक्षता में बैठक हुई। संचालन ओमप्रकाश सैनी ने किया। पंचायत में बताया गया कि 21 अप्रैल को जिलाध्यक्ष महेश सैनी के राजपुर स्थित आवास पर दर्जनों हथियारबंद लोगों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दहशत फैलाई। आरोप है कि थाना जैंत पुलिस ने पीड़ित सैनी समाज की तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया, बल्कि उल्टा एकतरफा कार्रवाई कर पीड़ित पक्ष को ही परेशान किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से आक्रोशित सैनी समाज के सजातीय बंधुओं ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि 27 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से राजकीय छात्रावास स्थित वट वृक्ष के नीचे महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर दोषियों पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग की जाएगी। बैठक में बाबू लाल सैनी, रमेश चंद्र सैनी पीडब्ल्यूडी वाले, अनिल सैनी, बुद्धि लाल सैनी, पूर्व प्रधान पवन सैनी, शरद सैनी, मुकेश सैनी, ओमप्रकाश सैनी, विष्णु सैनी, क्षम्मन लाल सैनी, संतोष सैनी, घनश्याम सैनी, पवन सैनी, श्याम लाल सैनी, राजेन्द्र प्रसाद सैनी, राजेश सैनी आदि उपस्थित थे।

एक तरफा कार्रवाई के विरोध में आंदोलन का ऐलान

अड़ींग के नगरेला मोहल्ला में गंदगी का लगा अंबार

यूनिक समय, गोवर्धन। तहसील क्षेत्र के ग्राम अड़ींग के नगरेला मोहल्ला स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद गंदगी और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा है। यहां की चौक नालियां और सड़कों पर बहता गंदा पानी सरकारी दावों की पोल खोल रहा है। मोहल्ला वासियों का कहना है कि ग्राम पंचायत और प्रशासन द्वारा अधिकांश कार्य केवल कागजों पर किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बदहाल है, नालियों में कचरा भरा होने से पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर फैल रहा है। इस वार्ड में खरंजा, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी कमी है। गंदगी के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा है। कई घरों के ढहने का डर भी बना हुआ है।

आरोप है कि वार्ड के प्रधान और सफाईकर्मी मोहल्ले में कभी नहीं आते। ग्राम प्रधान से लेकर जिला प्रशासन तक कई शिकायतें की गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि उन्हें इस समस्या की जानकारी मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस पर काम शुरू किया जाएगा।

स्वच्छ भारत मिशन के बावजूद बदहाल सफाई व्यवस्था

छाता फ्लाईओवर पर ट्रक ने युवक को कुचला

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर छाता फ्लाईओवर के समीप सड़क पार करते एक युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भीड़ के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम जैसे हालात पैदा हो गए। पुलिस ने सड़क से भीड़ को हटवाकर यातायात को सुचारू किया।

बताया गया कि रेलवे स्टेशन कालोनी निवासी बाबूलाल का पुत्र नरेंद्र(35) आज प्रातः घर से बाजार सामान खरीद ने के लिए गया था। रेलवे स्टेशन कालोनी से फ्लाई ओवर पार करने के दौरन नरेंद्र को तेज रफ्तार से आते ट्रक ने उसे रौंद दिया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से ट्रक को भगा ले गया। दुर्घटना का पता लगने पर काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने से पहले बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ वहां एकत्रित हो गई। युवक के परिवार के लोगों को भी इस बारे में पता लगा। परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पचंनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि युवक के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर है।

भीड़ के कारण हाईवे पर लगा जाम,पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

ओंकारेश्वर महादेव का प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। ओंकारेश्वर महादेव मंदिर महाविद्या कॉलोनी (द्वितीय चरण) का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सानंद संपन्न हुआ।

स्व. ओमप्रकाश अग्रवाल की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में पुजारी बालकृष्ण पाठक ने मुख्य यजमान सुनीता रानी-आशु अग्रवाल से विधिवत मंत्रोच्चारणों के साथ पूजा-अर्चना करायी। महादेव का अभिषेक व श्रृंगार कर वस्त्र धारण कराए। मंदिर प्रांगण को विद्युत झालरों, गुब्बारों से सजाया गया।

फूल बंगले में विराजे भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर भक्त धन्य हुए। मुख्य अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल व पार्षद धर्मेश तिवारी का जय नारायण वार्ष्णेय व मुरारीलाल अग्रवाल ने पटुका पहनाकर स्वागत किया। भजन संध्या में कृष्णगोपाल शर्मा, विजय बंसल सर्राफ, सुरेशचंद्र अग्रवाल दोना-पत्तल वाले, विष्णु शर्मा, मनमोहन सर्राफ, हरेश अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, मिष्ठी अग्रवाल ने अपनी भजन गायकी से वातावरण भक्तिमय बनाया। वहीं माही अग्रवाल ने अपने तांडव नृत्य की प्रस्तुति से तालियां बटोरीं। महाआरती व प्रसादी ग्रहण करने के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में कृष्णगोपाल सिंघल, दीपक अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजश्री अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल थे।